केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com
के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :46 अंक 208 शनिवार 22 फरवरी 2025 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

महाकुंभ को देखते हुए 24 फरवरी का एग्जाम किया गया स्थगित

लखनऊ(आभा)। यूपी के प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ को देखते हुए बड़ा निर्णय लिया गया है। 24 फरवरी को होने वाली बोर्ड परीक्षा स्थगित कर दी गई है। विद्यार्थियों को कोई असुविधा न हो इसे देखते हुए यह निर्णय लिया गया है। यह परीक्षा सिर्फ प्रयागराज जिले के विद्यार्थियों के लिए स्थगित होगी। 24 फरवरी की स्थगित परीक्षा 9 मार्च को कराई जाएगी।

पत्नी से नाराज जेसीबी चालक ने कर दी युवक की हत्या

संवाददाता–गोरखपुर। उरुवा थाना क्षेत्र के इंद्रापार बुजुर्ग गांव में गुरुवार रात एक दिल दहला देने वाली घटना घटी।घरेलू विवाद के बीच अचानक एक जेसीबी चालक ने गुस्से में युवक के सिर पर डंडे से वार कर उसकी हत्या कर दी।पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपित को गिरफ्तार कर लिया।इस घटना के बाद युवक के घर में मातम छा गया है। गांव के अजय कुमार पांडेय का गुरुवार की रात करीब 8:15 बजे किसी बात पर पत्नी से बहस हो गया।दोनों दरवाजे पर खड़े थे।इसी दौरान पास के ईंट भट्ठे से जेसीबी चालक रोहित उर्फ रोहन (पुत्र शमरनाथ) वहां आ गया और अजय से गाली–गलौज करने लगा विरोध करने पर डंडे से अजय के सिर पर जोरदार प्रहार कर दिया।

मेडिकल कालेज में मरीजों को हलकान कर रहा सर्वर

संवाददाता–गोरखपुर। बीआरडी मेडिकल कॉलेज में मरीजों की मुसीबत कम होती नजर नहीं आ रही है। पिछले एक माह से ओपीडी के पर्चा काउंटर का सर्वर धीमा चल रहा है। इसकी वजह से मरीजों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ओपीडी काउंटर पर पर्चा काटने में कर्मचारी को पांच से आठ मिनट तक लग जा रहे हैं। यह सामान्य से तीन से पांच गुना ज्यादा समय है। ओपीडी पर्चा के लिए मरीज काफी देर तक इन्तजार कर रहे हैं। मरीजों को मुसीबत से बचाने के लिए ओपीडी पर्चा काउन्टर पर तैनात कम्प्यूटर ऑपरेटर निजी मोबाइल डाटा की मदद से मरीजों का पर्चा बना रहे हैं। इसी तरह से ट्रामा सेंटर में भी मरीजों की भर्ती पर्ची निजी मोबाइल डाटा की मदद से बन रहा है। सेन्ट्रल पैथोलॉजी में भी मोबाइल डाटा की मदद से जांच रिपोर्ट तैयार की जा रही है। बताया जा रहा है कि तकनीकी खराबी होने से सर्वर काम नही कर रहा है।

बाइक सवार मनबढ़ों ने युवक को सरेराह पीटा

संवाददाता–बस्ती। कस्बे के मुख्य चौराहे पर बाइक सवार मनबढ़ों ने एक युवक की पिटाई कर सनसनी फैला दी। आसपास के लोगों के दौड़ाने पर बाइक सवार भाग निकले। लोगों ने युवक को अस्पताल में भर्ती कराया।

जानकारी के अनुसार, गोंडा जिले के छपिया थाना क्षेत्र के मेहनिया निवासी अक्षय कुमार बृहस्पतिवार को किसी काम से बस्ती गए थे। दोपहर करीब 3:30 बजे कप्तानगंज चौराहे पर फुल्की खाने के लिए रुके, तभी बाइक सवार आधा दर्जन मनबढ़ों ने अक्षय कुमार को लात–घूसों से मारपीट कर बेदम कर दिया। घटना देखकर आसपास के लोग दौड़े तब जाकर युवक को छोड़कर टिनिच रोड होते हुए भाग निकले।

कोर्ट के आदेश पर मारपीट का मुकदमा दर्ज

संवाददाता–बस्ती। कोर्ट के आदेश पर वाल्टरगंज पुलिस ने तीन के खिलाफ मारपीट का मुकदमा दर्ज किया है। कोर्ट में दिए प्रार्थना–पत्र में अभिषेक यादव ने बताया कि 15 जनवरी को गनेशपुर नगर पंचायत के बन्धुवा में वादी का भाई विवेक क्रिकेट खेल रहा था। उसके विपक्षी मित्रसेन से विवाद हो गया। इससे नाराज होकर मित्रसेन, आत्मा प्रसाद यादव, परमात्मा प्रसाद यादव ने घर में घुसकर मेरे भाई को मारेपीटे। मां और अन्य परिवार के लोगों की भी पिटाई की। पुलिस ने मित्रसेन यादव, आत्मा प्रसाद, परमात्मा प्रसाद के खिलाफ केस दर्ज किया है।

यूपी में छह करोड़ लोगों को गरीबी रेखा से निकाला गया –सीएम योगी

लखनऊ (आभा)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विपक्ष के सवालों का जवाब देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बीते एक दशक में देश में 25 करोड़ लोगों को गरीबी से निकाला गया है और हमारी सरकार ने यूपी में छह करोड़ लोगों को गरीबी से निकाला है। प्रदेश में निवेश आ रहा है। मुझे पूरा यकीन है कि वर्ष 2029 तक यूपी की अर्थव्यवस्था वन ट्रिलियन की हो जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश में महाकुंभ जैसा वैश्विक आयोजन हो रहा है इससे प्रदेश की अर्थव्यवस्था को सीधे तौर पर तीन लाख करोड़ रुपये का लाभ होगा। जिस प्रदेश को सपा–बसपा और

कांग्रेस की सरकारों ने बीमारू राज्य बना रखा था वो अब हर सेक्टर में विकास कर रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार आने से पहले प्रदेश में किसान आत्महत्याएं कर रहा था। अब यूपी गन्ना उत्पादन में, चीनी उत्पादन में और इथेनॉल के उत्पादन में प्रथम स्थान पर है। किसानों को उनकी फसल के मूल्य का भुगतान समय पर किया जा रहा है। पूरा देश और दुनिया प्रदेश के विकास को लेकर आशान्वित है और हमारे विकास में योगदान देने के लिए तैयार है।

सदन में महंगाई पर विपक्ष के सवाल का जवाब देते हुए वित्तमंत्री सुरेश खन्ना ने कहा कि प्रदेश में 15 करोड़ लोगों को मुफ्त अनाज दिया जा रहा है।

प्रदेश में पेट्रोल–डीजल पर अन्य राज्यों के मुकाबले सबसे कम वैट लग रहा है। सरकार का पूरा प्रयास है कि किसी को भी कोई तकलीफ न होने पाए। सब्जियों के दाम डिमांड और सप्लाई के आधार पर बढ़ते और घटते हैं। सरकार पूरी तरह से गरीबों के साथ खड़ी है।

मायावती के पलटवार पर राहुल गांधी ने दिया जवाब, पहले दिया गया मेरा बयान सही है

रायबरेली (आभा)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी दो दिवसीय दौरे पर रायबरेली में हैं। शुक्रवार दोपहर उन्होंने मार्डन रेल कोच फैक्ट्री का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने आरेडिका के कार्यों की तारीफ की। कहा कि दुनिया भर में चीजों का प्रोडक्शन कम हो रहा है, देश में भी यही हो रहा है लेकिन आरेडिका भारी संख्या में रेल डिब्बे बनाकर कीर्तिमान बना रही है। वो करीब एक घंटे तक आरेडिका में रहे। परिसर से निकलते वक्त राहुल गांधी से मायावती के पलटवार पर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि मायावती को लेकर उन्होंने पूर्व में जो बयान दिया था वो सही है। बता दें कि उन्होंने जिले में दलित छात्रों को संबोधित करते हुए बयान दिया था कि लोकसभा चुनाव में अगर मायावती इंडिया गठबंधन का हिस्सा होतीं तो भाजपा सत्ता में न आ पाती। बसपा सुप्रीमो मायावती ने भी पलटवार किया था। उन्होंने अपने

बयान में कहा था कि कांग्रेस जिन राज्यों में मजबूत है या जहां उनकी सरकारें हैं, वहां बसपा व उनके अनुयाइयों के साथ उसका द्वेष व जातिवादी रवैया है। यूपी जैसे राज्य में जहां कांग्रेस कमजोर है, वहां बसपा से गठबंधन की बरगलाने वाली बातें करना यह उस पार्टी का दोहरा चरित्र नहीं तो और क्या है। सोशल मीडिया पर जारी अपने बयान में मायावती ने कहा कि बसपा ने यूपी व अन्य राज्यों में जब भी कांग्रेस जैसी जातिवादी पार्टियों के साथ गठबंधन करके चुनाव लड़ा तब हमारा बेस वोट उन्हें ट्रांसफर हुआ लेकिन ये पार्टियां अपना बेस वोट बसपा को ट्रांसफर नहीं करा पाईं। ऐसे में बसपा को हमेशा घाटे में ही रहना पड़ा है। वैसे भी कांग्रेस व भाजपा आदि का चाल, चरित्र, चेहरा हमेशा डॉ. भीमराव आंबेडकर, उनकी अनुयायी बसपा व उसके नेतृत्व, उनके दलित–बहुजन अनुयायियों एवं आरक्षण आदि का घोर विरोधी रहा है जिससे देश संविधान का समतामूलक व कल्याणकारी उद्देश्य पाने में काफी पीछे है, जो चिंताजनक है।

प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना की तिथि बढ़ी

संवाददाता–बस्ती। वित्तीय वर्ष 2024–25 मे मत्स्य विभाग के अंतर्गत प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना की 23 मात्स्यिकी परियोजनाओं के लाभ से जनसामान्य को आच्छादित करने के लिए दिनांक 15 फरवरी 2025 तक आनलाइन आवेदन आमंत्रित था। उक्त जानकारी देते हुए मुख्य कार्यकारी अधिकारी मत्स्य संदीप कुमार वर्मा ने बताया कि पुनः उक्त योजना में आवेदन करने की तिथि दिनांक 22 फरवरी से 28 फरवरी 2025 तक बढ़ा दी गयी है। उन्होने बताया कि इच्छुक व्यक्ति विभागीय पोर्टल पर आवेदन कर लाभ प्राप्त कर सकते है। उन्होने बताया कि योजनान्तर्गत परियोजनाओं का विवरण, इकाई लागत, आवेदन करने की प्रक्रिया, आवेदन के साथ संलग्न किये जाने वाले अभिलेख व विस्तृत विवरण एवं विज्ञापन विभागीय पोर्टल पर देखा जा सकता है। इसके अतिरिक्त मत्स्य विभाग के जनपदीय, मण्डलीय व उनके कार्यालय से किसी भी कार्य दिवस में विस्तृत जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

गोली चलने की सूचना पर हलकान रही पुलिस

संवाददाता–बस्ती। कलवारी थानाक्षेत्र के नगर पंचायत गायघाट स्थित अटल बिहारी वाजपेयी वार्ड में गोली चलने की सूचना पर पुलिस हलकान रही। दोपहर लगभग दो बजे वार्ड निवासी हरिशंकर पुत्र हरिश्चंद्र तिवारी डायल 112 को फोन कर सूचना दिया कि थानाक्षेत्र के गजया गांव के रहने वाले लक्ष्मी नाम के युवक ने उन पर उसे समय गोली चला दी, जब वह अपने घर से गायघाट बाजार के लिए जा रहे थे। वे रास्ते में लघुशंका के लिए रूके थे। इसके उलट लक्ष्मी ने आरोप लगाया कि वह हरिशंकर के आजमगढ़ में संचालित होने वाले मेडिकल स्टोर में काम करता था। अब वह उनके पास से हटकर आजमगढ़ में ही किसी दूसरे के मेडिकल स्टोर में काम करने लगा है। इस वजह से हरिशंकर ने उसे फंसाने के लिए यह कहानी गढ़ी है। थानाप्रभारी कलवारी जनार्दन प्रसाद ने मौके पर पहुंचे। मौका मुआयना किया तो सड़क के किनारे स्थित महुआ के पेड़ में गड्ढे का निशान तो मिला लेकिन गोली चलने की पुष्टि नहीं हुई। एसओ ने बताया कि मामले की छानबीन की जा रही है।

जेलों में बन्द कैदियों नें भी मनाया महाकुम्भ त्रिवेणी संगम के पवित्र जल से किया स्नान

लखनऊ (आभा)। जेलों में निरुद्ध बंदियों ने भी अमृत जल से स्नान किया। पावन त्रिवेणी के जल से स्नान करके वह पुण्य के भागीदार बने। इस दौरान हर–हर गंगे के उद् घोष से तमाम जेलों का परिसर गुंजायमान रहा। नैनी सेंट्रल और जिला जेल के कैदियों को भी यह अवसर प्राप्त हुआ तो वह भाव–विभोर हो गए।

दिव्य और भव्य महाकुंभ में आस्था से सराबोर करोड़ों श्रद्धालु पुण्य लाभ प्राप्त कर चुके हैं। प्रशासन का दावा है कि अब तक करीब 59 करोड़ श्रद्धालु संगम स्नान कर चुके हैं। इस बीच सरकार ने प्रदेश में जेल में बंद कैदियों की धार्मिक भावनाओं का सम्मान करते हुए अब उन्हें भी इस पुण्य के भागीदारी बनने का अवसर दिया है। प्रदेश की सभी 62 जेलों के कैदियों ने त्रिवेणी के पुण्य जल से स्नान किया है। इसके लिए जेल के अंदर ही बड़े–बड़े हौज बनाए गए, जिसमें त्रिवेणी से लाया गया पवित्र जल मिलाया गया। इसी जल से स्नान कर जेल में बंद कैदी भी पुण्य के भागीदारी बने हैं। नैनी सेंट्रल जेल में भी इसके लिए भव्य व्यवस्था की गई। यहां के वरिष्ठ जेल अधीक्षक रंग बहादुर पटेल ने कहा कि सेंट्रल जेल में इस समय 1700 से कैदी हैं, जिसमें से 1400 से अधिक बंदियों को त्रिवेणी के पावन जल से स्नान का अवसर मिला है।

शासन के निर्देश पर त्रिवेणी से एक कलश में वहां का पावन जल लाया गया। जेल के अंदर विधि विधान से उसका पूजन किया गया और फिर इसी जल को जेल के अंदर बनाए गए कुंड में डाल दिया गया। इसी जल से जेल के कैदियों ने पुण्य स्नान किया। इसी तरह जिला जेल के बंदियों को भी अमृत काल में संगम के पुण्य जल से स्नान का पुण्य लाभ अर्जित करने का अवसर मिला। जिला जेल की वरिष्ठ अधीक्षिका अमिता दुबे ने बताया कि 1300 में 1000 से अधिक बंदियों ने पवित्र त्रिवेणी जल से स्नान कर पुण्य लाभ प्राप्त किया।

बताया गया है कि कैदियों की त्रिवेणी में ले जाकर स्नान कराने की कानूनी और सुरक्षा की समस्याओं को देखते हुए जेल के अंदर ही इनके पावन जल से स्नान की व्यवस्था की गई। जैसे ही त्रिवेणी से मंगवाए गए जल से इन कैदियों ने पुण्य स्नान किया गया। वैसे ही कैदियों के हर हर गंगे के उद्घोष से पूरा जेल परिसर गूंज गया। उत्तर प्रदेश की जेलों में वर्तमान में लगभग 90 हजार बंदी निरुद्ध हैं, जिसमें से अधिकांश को यह अवसर प्राप्त हुआ।

निराश्रित व दिव्यांगजनों के लिए लगेगा कैम्प

संवाददाता–बस्ती। वृद्धा, निराश्रित व दिव्यांगजन पेंशन योजना एवं अन्य जनकल्याणकारी योजनान्तर्गत विकास खण्ड/नगरपंचायत में कैम्प लगाया जायेगा। उक्त जानकारी देते हुए जिला समाज कल्याण अधिकारी लालजी यादव ने बताया कि इस कैम्प में पात्र लाभार्थियों को चिन्हित कर लाभ दिया जायेगा। उन्होने बताया कि बनकटी, कप्तानगंज, दुबौलिया, नगर पंचायत नगरबाजार 24 फरवरी को, बहादुरपुर, परसरामपुर, गौर, नगरपंचायत मुण्डेरवा 25 फरवरी को, विक्रमजोत, रूधौली, नगरपंचायत बभनान व बनकटी 27 फरवरी को, रामनगर, सल्टौआ गोपालपुर, नगरपंचायत गनेशपुर, गायघाट एवं कप्तानगंज 28 फरवरी को, कुदरहा, हर्रैया, नगरपंचायत भानपुर, नगरपालिका बस्ती 03 मार्च को, साऊघाट, बस्ती सदर, नगरपंचायत रूधौली, हर्रैया 04 मार्च को प्रातः 10.00 बजे से कैम्प लगाया जायेंगा।

फर्जी प्रमाण–पत्रों से शिक्षक बने, दो पर मुकदमा दर्ज

संवाददाता–बस्ती। फर्जी प्रमाण–पत्र के सहारे परिषदीय विद्यालय में शिक्षक बने दो लोगों पर पुलिस ने एफआईआर दर्ज किया है। यह मुकदमा खंड शिक्षा अधिकारी कुदरहा की तहरीर पर कलवारी पुलिस ने दर्ज किया। जांच में प्रमाण–पत्र फर्जी पाए जाने पर बीएसए ने इन दोनों को दो माह पहले बर्खास्त कर दिया था। पुलिस को दी तहरीर में बीईओ कुदरहा सीपी गौड़ निवासी गोपालपुर पिपराइच, गोरखपुर ने बताया कि विकास खंड कुदरहा के प्राथमिक विद्यालय टेंगरिया राजा पर दो शिक्षक अवधेश निवासी जमिरा थाना महुली और हरीश चौधरी निवासी धमैचा थाना कोतवाली खलीलाबाद तैनात रहे। संदेह होने पर दोनों के प्रमाण–पत्रों की जांच हुई। जांच के दौरान पता चला कि अवधेश की बीटीसी व हरीश चौधरी का इण्टरमीडिएट का प्रमाण–पत्र फर्जी है। इन्हें नोटिस दिया गया, जिसका समुचित जवाब नहीं मिला। इसके चलते बेसिक शिक्षा अधिकारी अनूप कुमार तिवारी ने इन्हें बर्खास्त कर दिया था। बीईओ कुदरहा सीपी गौड़ ने इनके खिलाफ कलवारी पुलिस को तहरीर दी थी। कलवारी पुलिस ने प्राथमिक विद्यालय में शिक्षक के तौर पर तैनात रहे अवधेश और हरीश चौधरी के खिलाफ धोखाधड़ी का केस दर्ज कर लिया है।

108 शिवालयों पर गूंजेगा हर–हर महादेव, होंगे कड़े सुरक्षा प्रबंध

संवाददाता–बस्ती। महाशिवरात्रि के मौके पर भद्रेश्वरनाथ, तिलकपुर, कड़र खास आदि मंदिरों में श्रद्धालुओं की उमड़ने वाली भीड़ के मद्देनजर सुरक्षा के कड़े प्रबंध किए गए हैं। मंदिर के आसपास बैरिकेडिंग कराई जा रही है।

अधिकारियों द्वारा भद्रेश्वरनाथ मंदिर और आसपास सुरक्षा व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए कई बार भ्रमण किया जा चुका है। वाहनों के लिए अलग–अलग स्टैंड बनाए जाएंगे। मंदिरों में सफाई कार्य के लिए कर्मियों की ड्यूटी लगाई गई। व्यवस्था में सहयोग के लिए स्काउट गाइड के अलावा स्वयंसेवकों को लगाया गया है।

सीसीटीवी कैमरों से भी निगरानी की जाएगी। सादी वर्दी में पुलिस की तैनाती की गई है। डारीडीहा चौराहे से वाहनों के डायवर्जन की व्यवस्था भी बनाई जा रही है। साथ ही शहर में निकलने वाली शिव बरात के लिए भी इंतजाम किए जा रहे हैं। प्रभारी सीओ सिटी स्वर्णिमा सिंह ने बताया कि एक दो दिन में सभी रूट और सुरक्षा कर्मियों का खाका तैयार कर लिया जाएगा।

बस्ती–अयोध्या राष्ट्रीय मार्ग स्थित तिलकपुर शिव मंदिर में महाशिवरात्रि के दिन श्रद्धालुओं की भीड़ जुटेगी। यहां जलाभिषेक के साथ मेला लगेगा। महाशिवरात्रि पर ग्रामीण क्षेत्रों के

शिवालयों व उनके आसपास साफ–सफाई कराकर अन्य तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। कप्तानगंज के पूर्वी छोर पर स्थित तिलकपुर के सामने जागेश्वर नाथ धाम में भारी भीड़ जुटती है। श्रद्धालु जलाभिषेक और मिन्नतें मांगने पहुंचते हैं। यहां सोमवार व शनिवार को लोग पूजा–अर्चना के लिए आते हैं। माघ मास की त्रयोदशी व कांवड़ मेले में भीड़ जुटती है। नगर बाजार एवं आसपास के तमाम शिव मंदिरों में साफ–सफाई का कार्य चल रहा है। महादेव स्थित शिव मंदिर में भी काफी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं। बनकटी क्षेत्र के शिव मंदिर बानपुर पिंड़ियां, थालेश्वर नाथ थाल्हापार, बेहिल नाथ, महथा, टिकवाजोत, पुरनपुर आदि मंदिरों में जलाभिषेक के लिए काफी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं। साथ ही, सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित होते हैं। सल्टौआ क्षेत्र के महादेवा, ककरहिया, भिरिया ऋतुराज शिव मंदिर में लगने वाले मेला स्थल पर स्थानीय प्रशासन की ओर से साफ–सफाई कराई जाएगी।

पुरानी बस्ती क्षेत्र से प्रतिवर्ष निकलने वाली शिव बरात के लिए पुलिस प्रशासन ने खास प्रबंध किए हैं। शिव बरात कस्बा बाबा, नई बाजार, पांडेय बाजार, मरवाटिया मंदिर से सुर्ती हट्टा काली मंदिर, वापस मंगल बाजार पंचायती मंदिर पर समाप्त होती है। देर रात शिव विवाह का आयोजन होता है। इसके अलावा रुधौली क्षेत्र में गिरि नाथ धाम रायठ से पकड़ी, सल्टौआ, सोनहा, भानपुर, रुधौली, छपिया, बिजलीपुर होते हुए वापस गिरिनाथ मंदिर पर जुलूस पहुंचता है।

अधिवक्ता संशोधन बिल के विरोध में वकीलों का प्रदर्शन, विधानसभा घेरने की कर रहे थे तैयारी, पुलिस ने रोका

लखनऊ (आभा)। केंद्र सरकार के प्रस्तावित अधिवक्ता संशोधन बिल–2025 के प्रविधान के विरोध में वकीलों ने शुक्रवार को प्रदर्शन किया। स्वास्थ्य भवन से पैदल मार्च निकाल हजरतगंज चौराहे पहुंचे वकीलों को पुलिस ने गांधी प्रतिमा के पास रोक लिया। अधिवक्ताओं में गांधी प्रतिमा पर प्रदर्शन कर विरोध दर्ज किया और जिला प्रशासन के माध्यम से ज्ञापन दिया। अधिवक्ताओं का कहना है कि संवैधानिक व मौलिक अधिकारों के विपरीत प्रस्तावित किया गया है, जो कि भविष्य में अधिवक्ताओं की एकता एवं अखंडता को खंडित करने वाला है।

सेंट्रल बार एसोसिएशन और लखनऊ बार एसोसिएशन के आह्वान पर जुटे वकीलों ने प्रस्तावित संशोधन बिल को वापस लेने की मांग की। सेंट्रल बार एसोसिएशन के अध्यक्ष अरविंद कुमार कुशवाहा का कहना है कि प्रस्तावित बिल अधिवक्ताओं के हितों के विपरीत है।

प्रस्तावित संशोधन बिल के विरोध में एसोसिएशन सभी सदस्य काली पट्टी बांधकर न्यायिक कार्य का

बहिष्कार किया और गांधी प्रतिमा पर प्रदर्शन किया। महामंत्री अमरेश पाल सिंह के नेतृत्व में अधिवक्ताओं ने स्वास्थ्य भवन चौराहे से हजरतगंज स्थित महात्मा गांधी की प्रतिमा तक मार्च निकाला ।

प्रदर्शन के दौरान कुछ अधिवक्ता विधान भवन तक जाने पर अड़े रहे, पुलिस ने बेरीकेडिंग लगाकर उन्हें रोक लिया। प्रदर्शन में राजकुमार ओझा, प्रदीप सिंह, आशुतोष सिंह, अनुराग मिश्रा,ब्रजभान सिंह भानु ,रमेश तिवारी ,अरविंद कुशवाहा,तुषार प्रताप सिंह सतेंद्र भदौरिया ,नरेंद्र शुक्ला, अंशुल शाहू ,आशीष राय,परमवीर पटेल,जूली रावत,अंकित दुबे ,अजय यादव व जितेंद्र वर्मा समेत कई अधिवक्ता शामिल हुए।

अधिवक्ताओं मार्च के चलते परिवर्तन चौक से हजरतगंज चौराहा और विधान भवन मार्ग पर जाम लगा रहा। इसका असर अशोक मार्ग, पार्क रोड, सचिवालय के पीछे और महात्मा गांधी मार्ग पर नजर आया। करीब एक घंटे के बाद यातायात सामान्य हो सका। वहीं अंबेडकरनगर जिले में भी केंद्र सरकार के अधिवक्ता संशोधन विधेयक 2025 के विरोध में शुक्रवार को वकीलों ने प्रदर्शन करते हुए ज्ञापन सौंपा। बार एसोसिएशन के अध्यक्ष केडी मिश्र एवं सचिव विशाल कुमार सिंह की अगुवाई में कचेहरी परिसर से नारेबाजी करते हुए अधिवक्ता आंबेडकर मूर्ति के पास पहुंचे। राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन एडीएम डा.सदानंद गुप्त को सौंपा।

अधिवक्ताओं ने अधिवक्ता संशोधन विधेयक को वापस लेने की मांग उठाई और कहा कि अधिवक्ता अपनी आवश्यक एवं मूलभूत सुविधा के पूर्ण अभाव में न्यायिक कर्तव्यों का निर्वहन निष्ठा व जिम्मेदारी के साथ करता रहा है। अधिवक्ताओं को अपनी सुरक्षा को लेकर चिंता व्याप्त है।

अधिवक्ताओं को केंद्र व राज्य सरकार से जारी कल्याणकारी योजनाओं में शामिल करते हुए सामूहिक स्वास्थ्य बीमा योजना के तहत मिलने वाली 10 लाख की न्यूनतम धनराशि तथा किसी भी अधिवक्ता की मौत पर सामूहिक टर्म पालिसी के अंतर्गत मिलने वाली धनराशि की न्यूनतम धनराशि से आच्छादित किया जाए।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 22 फरवरी 2025 शनिवार

सम्पादकीय

मेरे बाबूजी

भारतीय बस्ती के संस्थापक सम्पादक श्री दिनेश चंद्र पाण्डेय का 18 फरवरी 2025 को 77 वर्ष की अवस्था में निधन हो गया। वे मेरे पिता ही नही पत्रकारिता के गुरू थे। उनके सपनों को पूरा करने के लिये मैंने अपना पूरा जीवन दांव पर लगा दिया। बाबूजी की आत्मा भारतीय बस्ती में ही बसा करती थी। अब बाबूजी इस संसार में नहीं हैं तो मेरा दायित्व और बढ गया है। बाबूजी आखिरी क्षणों तक अपना सिद्धान्तों को समर्पित रहे। तीस वर्ष पूर्व मेरी माता जी का निधन हो गया। उस समय से ही मैं जैसे अचानक और बड़ा हो गया। उनके आखिरी क्षण तक मेरा यही प्रयास रहा कि बाबूजी को कोई तकलीफ न होने पाये। संसार में जीवन मृत्यु तो एक प्रक्रिया है। अब बाबूजी के न होने पर कोई डांटने वाला नहीं रहा। जब भी कोई मुश्किल आती तो बाबूजी कहते चिन्ता मत कर यार, सब ठीक हो जायेगा। 19 फरवरी 2025 को अयोध्या में सरयू तट पर जब बाबूजी की चिता को आग दी तो विश्वास नहीं हो रहा था कि बाबूजी का पार्थिव शरीर अब इस नश्वर संसार में नहीं हैं। भारतीय बस्ती के विकास, समस्या, समाधान आदि को लेकर बाबूजी से सदैव मतभेद रहा, अनेक मोर्चों पर हमारी और बाबूजी की राय अलग–अलग रहती थी किन्तु अंत में बाबूजी की ही बात मानी जाती। मतभेद के बावजूद बाबूजी से मनभेद कभी नहीं रहा। मेरे पत्रकारिता की शुरूआत कक्षा 6 से ही हो गयी। अपने मूल गांव बस्ती जनपद के सल्टौआ गोपालपुर विकास खण्ड क्षेत्र के भिऊरा गांव से जब मैं बाबूजी के पास बस्ती आया तो मेरा नाम कक्षा 6 में राजकीय इण्टर कालेज में लिखवाया गया। उस समय भारतीय बस्ती साप्ताहिक के रूप में प्रकाशित होता था। जब अखबार छपकर आ जाता तो मैं 2 पैसे का टिकट लगाकर पता लिखने के बाद उसे डाकखाने तक ले जाता। भारी भरकम बण्डल देखकर कभी कभी डाक खाने के कर्मचारी भी नाराज हो जाते। डाक भेजने के बाद मुझे बाबूजी बीस पैसा देते। वह बीस पैसा मेरे लिये बहुत कीमती था। बाबूजी वकालत करने के साथ ही अपना अखबार भी निकालते। कुछ समय बाद भारतीय बस्ती दैनिक हो गया और एपीएन पीजी कालेज के पास कबीर प्रिन्टिंग प्रेस से छपने लगा। जब मैं कक्षा 7 में पहुंचा तो बाबूजी सबेरे 7.20 बजे रेडियो से समाचार सुनते और उसके बाद मुझे बोलकर लिखवाते। यहीं से जाने अनजाने मेरे पत्रकारिता का श्री गणेश हुआ। एक बार की बात है बाबूजी बम्बई (अब मुंबई) गये और मुझसे कहा कि सम्पादकीय अब स्वर्गीय लालता प्रसाद पाण्डेय जी से लिखवा लेना। मेरे अथक प्रयास के बावजूद जब श्री लालता प्रसाद पाण्डेय ने सम्पादकीय नहीं लिखा तो उसी दिन मैंने पहली सम्पादकीय लिखा। दैनिक भारतीय बस्ती दैनिक के रूप में अब 46 वें वर्ष में हैं और अब तक कितनी सम्पादकीय लिख चुका कुछ याद नहीं। जब तक मैं घर न पहुंच जाऊं बाबूजी सोते नहीं थे, मेरा इंतजार करते। अब कौन इन्तजार करेगा। बाबूजी का पार्थिव शरीर भले ही अब इस संसार में नहीं है किन्तु उनके विचार, उनके संघर्ष की ताकत मेरी पूंजी है। जब तक मेरे पास शक्ति है उन्होने जिस भारतीय बस्ती की नींव डाली उसके विकास के लिये पूरी ताकत लगा दूंगा। बाबूजी बस्ती मण्डल की पत्रकारिता के चलती फिरती पाठशाला थे। जब भी कोई तकनीकी संकट आता तो बाबूजी सबकी समस्या के एक मात्र समाधानकर्ता थे। आज उन्ही की देन है कि बस्ती में अनेक समाचार पत्र संचालित है। उन्होंने किसी दूसरे समाचार पत्र से कभी बैर भाव नहीं रखा। सबकी मदद करते। इसीलिये वे सबके चहेते थे और उनकी डांट फटकार को लोग आशीर्वाद के रूप में लेते। जीवन के आखिरी दिन तक उनके चेहरे पर चमक और पूरा आत्मविश्वास था। जब उनकी तबीयत थोड़ी देर के लिये खराब हुई तो कहा देखो राहुल, सविता,वैभव को परेशान मत करना, कुछ मत बताना, मुझे कुछ हुआ नहीं है। यह किसे पता था कि थोडी देर बाद ही मुझे सबको यह सूचना देना पड़ेगा कि 'बाबूजी नहीं रहे'। अपने सबसे छोटे नाती वागार्थ सांकृत्यायन का नाम उन्होंने प्यार से पालू रखा था। पालू नाती बाबा कभी खूब प्रसन्न रहते तो कभी दोनों लोग अपने–अपने मुद्दों पर लड़ जाते। बाबूजी ने दो बार मुझसे कहा कि सविता की शादी कर देना अब बहुत जरूरी है। मैंने कहा था कि बाबूजी मार्च में आपके साथ चलेंगे, एक जगह रिश्ता देखा है आप भी बात करके मुझे बता दे। यह कहा पता था कि नियति कोई और क्रूर रचना कर रही है। बाबूजी के निधन के बाद सोशल मीडिया पर जिस प्रकार से बाबूजी को लोगों ने श्रद्धा से याद किया उसी से स्पष्ट है कि वे जन मानस में कितना रचे बसे थे। खरी खरी कह देने की आदत के कारण उनके समर्थक ज्यादा थे विरोधी कोई नहीं। अपने अन्दाज में जीने वाले बाबूजी के मन मानस में सदैव पत्रकारिता जीवन्त रही। ये सच है कि उन्होने कठिन मार्ग चुना और उनके इस बनाये मार्ग पर जितना संभव हो पा रहा है मेरा संघर्ष उसी रूप में जारी है। हम बचनबद्ध हैं कि बाबूजी ने जो बीजारोपण किया है भारतीय बस्ती को अग्रिम पंक्ति में खड़ा करने का हम सब भारतीय बस्ती परिवार के लोगों का प्रयास जारी रहेगा। यह बाबूजी के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

– प्रदीप चन्द्र पाण्डेय

सामाजिक न्याय की डगर पर

-प्रो. आरके जैन 'अरिजीत'-

समाज की असली शक्ति उसकी न्यायप्रियता, समता और गरिमा में निहित होती है। जब कोई वर्ग शोषण का शिकार होता है, श्रमिकों को उनके परिश्रम का उचित मूल्य नहीं मिलता, जाति, धर्म, लिंग या आर्थिक स्थिति के आधार पर भेदभाव किया जाता है, तब सभ्यता का आधार हिलने लगता है। विश्व सामाजिक न्याय दिवस मात्र एक तिथि नहीं, बल्कि एक सशक्त संकल्प हैकृऐसे समाज के निर्माण का, जहां अन्याय की बेड़ियां तोड़ी जाएं और हर व्यक्ति को उसका हक मिले। यह दिवस जिम्मेदारी का अहसास कराता है कि हम न केवल अपने अधिकारों के प्रति सचेत रहें, बल्कि हर उस व्यक्ति की आवाज बनें, जिसे व्यवस्था ने हाशिए पर धकेल दिया है।सामाजिक न्याय का अर्थ केवल कानूनी संरचनाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक ऐसी व्यवस्था है, जहां हर व्यक्ति को समान अवसर, गरिमा और अधिकार प्राप्त हों। यह केवल संविधान की किताबों में दर्ज कोई सिद्धांत नहीं, बल्कि एक जीवंत विचारधारा है, जो हर इंसान को बराबरी का हक दिलाने की वकालत करती है। समाज में जातीय भेदभाव, लैंगिक असमानता, बाल श्रम, मानव तस्करी, शोषणकारी मजदूरी और शिक्षा व स्वास्थ्य सेवाओं तक सीमित पहुंच जैसी समस्याएं गहरी जड़ें जमा चुकी हैं। यदि इन विषमताओं का अंत करना है तो सामाजिक न्याय को केवल एक आदर्श न मानकर, उसे क्रियान्वित करना होगा।

इस वर्ष, विश्व सामाजिक न्याय दिवस 2025 की थीम है– 'एक स्थायी भविष्य के लिए एक न्यायसंगत परिवर्तन को मजबूत करना।' यानी समाज में होने वाले बदलावकृविशेष रूप से रोजगार, जलवायु परिवर्तन नीतियों और आर्थिक संरचनाओं मेंकृ निष्पक्ष और समावेशी हों, ताकि कोई भी पीछे न छूटे। आज, दुनिया तेजी से बदल रही है, लेकिन यह बदलाव तभी सार्थक होगा जब इसका लाभ हर व्यक्ति तक समान रूप से पहुंचे। श्रमिकों को उनका अधिकार मिले, पर्यावरणीय नीतियां गरीब और पिछड़े वर्गों को नुकसान पहुंचाने के बजाय उन्हें लाभ दें, और आर्थिक सुधार ऐसे हों, जो समाज के सभी तबकों को सशक्त करें। यह थीम हमें समावेशी और न्यायपूर्ण विकास की ओर प्रेरित करती है।

संयुक्त राष्ट्र ने इस दिवस को मनाने का उद्देश्य यही रखा है कि हर व्यक्ति को उसके मौलिक अधिकार मिले और वह गरिमापूर्ण जीवन जी सके। यह समस्या किसी एक देश तक सीमित नहीं हैय पूरी दुनिया में गरीबों और शोषितों को उनके अधिकारों से वंचित किया जाता है। विकसित देशों में भी श्रमिकों का शोषण होता है, महिलाएं समान अवसरों से वंचित रहती हैं और धार्मिक व जातिगत भेदभाव अभी भी कायम है। सामाजिक न्याय के लिए वैश्विक स्तर पर प्रयास किए जा रहे हैं, जिनमें अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन द्वारा श्रमिक अधिकारों की रक्षा हेतु बनाए गए कानून, सामाजिक कल्याण योजनाएं और संवैधानिक सुधार शामिल हैं।

भारत जैसे विविधताओं से भरे देश में सामाजिक न्याय की अवधारणा और भी अधिक प्रासंगिक हो जाती है। भारतीय संविधान ने समानता, आरक्षण नीति, श्रमिक कल्याण, महिला सशक्तीकरण और शिक्षा के अधिकार जैसे कई उपाय किए हैं, ताकि समाज के हाशिए पर खड़े लोगों को मुख्यधारा में लाया जा सके। डॉ. भीमराव अंबेडकर, महात्मा गांधी और अन्य समाज सुधारकों ने सामाजिक न्याय की मजबूत नींव रखी, जिसे हमें और अधिक सुदृढ़ करना है। सामाजिक न्याय को स्थापित करने के लिए सबसे प्रभावी साधन शिक्षा और जागरूकता हैं। जब हर नागरिक शिक्षित होगा, तभी वह अपने अधिकारों के प्रति सजग हो पाएगा। सरकार को ऐसी नीतियां लागू करनी चाहिए, जो गरीब और वंचित वर्गों को आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक रूप से सशक्त करे। न्यूनतम मजदूरी का पालन, श्रमिकों के हितों की रक्षा, महिलाओं के लिए समान कार्यस्थल नीति, बच्चों के लिए शिक्षा का अनिवार्य प्रावधानकृये सभी कदम सामाजिक न्याय की दिशा में मजबूत आधार तैयार कर सकते हैं।आज की डिजिटल क्रांति ने अवसरों के नए द्वार खोले हैं, लेकिन इसके साथ ही डिजिटल असमानता भी बढ़ी है। गरीब और पिछड़े वर्गों के पास तकनीकी संसाधनों की कमी के कारण वे इस दौड़ में पीछे छूट रहे हैं। डिजिटल समावेशन अब सामाजिक न्याय का एक महत्वपूर्ण पहलू बन चुका है। तकनीकी संसाधनों तक सबकी पहुंच सुनिश्चित किए बिना, समान अवसरों की बात अधूरी रह जाएगी।

सामाजिक न्याय केवल सरकारों और संगठनों की जिम्मेदारी नहीं है। सभी का कर्तव्य है कि हम अपने समाज में समानता, निष्पक्षता और न्याय को बढ़ावा दें। हमें हर प्रकार के भेदभाव के खिलाफ खड़े होना होगा, हाशिए पर खड़े लोगों की मदद करनी होगी और एक समावेशी समाज बनाने की दिशा में ठोस कदम उठाने होंगे। जब तक समाज के प्रत्येक व्यक्ति को समान अवसर, अधिकार और सम्मान नहीं मिलेगा, तब तक सामाजिक न्याय का सपना अधूरा रहेगा। केवल कानून बनाने से नहीं, बल्कि समाज में जागरूकता और संवेदनशीलता बढ़ाने से ही इस लक्ष्य को प्राप्त कर सकते हैं। विश्व सामाजिक न्याय दिवस 2025 का संदेश यही है हर व्यक्ति को गरिमा, समानता और न्याय मिले, ताकि हम एक बेहतर और संतुलित समाज की नींव रख सकें।

भ्रष्टाचार पर कैसे लगे अंकुश...?

–योगेन्द्र योगी –

भारत इस सूची मे पड़ौसी देशों की ज्यादा बुरी हालत पर कुछ राहत महसूस कर सकता है। भ्रष्टाचार की इस सूची में भारत के पड़ोसी देशों में पाकिस्तान 135 नंबर पर और श्रीलंका 121 पर हैं, जबकि बांग्लादेश की रैंकिंग और भी नीचे 149 पर चली गई है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संसद में कहा था कि भ्रष्टाचार के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने के लिए एजेंसियों को खुली छूट दे दी है और इसमें सरकार का कोई हस्तक्षेप नहीं होगा। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भ्रष्टाचार एक दीमक है जिसने देश को खोखला कर दिया है और वह देश को इस बुराई से मुक्त करने के लिए पूरे मनोयोग से काम कर रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी के इस दृढ़निश्चय के बावजूद भारत में भ्रष्टाचार कैंसर की तरह फैलता जा रहा है। केंद्र की भाजपा सरकार हो या राज्यों में विपक्षी दलों की सरकारें, सभी भ्रष्टाचार के विरुद्ध बड़े दावे–वादे करती रहीं हैं, किन्तु यह समस्या सुरसा के मुंह की तरह विकराल होती जा रही है। करप्शन परसेप्शन इंडेक्स–2024 की भ्रष्टाचार की सूची वाले देशों में भारत 96वें पायदान पर पहुंच गया है। साल 2023 में भारत की रैंक 93 थी।

भारत इस सूची मे पड़ौसी देशों की ज्यादा बुरी हालत पर कुछ राहत महसूस कर सकता है। भ्रष्टाचार की इस सूची में भारत के पड़ोसी देशों में पाकिस्तान 135 नंबर पर और श्रीलंका 121 पर हैं, जबकि बांग्लादेश की रैंकिंग और भी नीचे 149 पर चली गई है। इस लिस्ट में चीन 76वें स्थान पर है। डेनमार्क सबसे कम भ्रष्ट राष्ट्र होने की सूची में सबसे ऊपर है, उसके बाद फिनलैंड और सिंगापुर हैं। 1995 से 2024 तक भारत में भ्रष्टाचार की औसत दर 78.03 रही, जो 2024 में 96.00 के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई और 1995 में 35.00 के रिकॉर्ड निम्नतम स्तर पर पहुंच गई थी।

भ्रष्टाचार धारणा सूचकांक यानी सीपीआई दुनिया में सबसे व्यापक रूप से इस्तेमाल की जाने वाली वैश्विक भ्रष्टाचार रैंकिंग है। यह मापता है कि विशेषज्ञों और व्यवसायियों के अनुसार प्रत्येक देश का सार्वजनिक क्षेत्र कितना भ्रष्ट है। प्रत्येक देश का स्कोर 13 विभिन्न भ्रष्टाचार सर्वेक्षणों और आकलनों से प्राप्त कम से कम 3 डेटा स्रोतों लिया जाता है। ये सोर्स विश्व बैंक और विश्व आर्थिक मंच सहित विभिन्न प्रतिष्ठित संस्थानों द्वारा एकत्र किए जाते हैं। सीपीआई की गणना करने की प्रक्रिया की नियमित रूप से समीक्षा की जाती है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि जारी की जाने वाली सूची यथासंभव मजबूत और सुसंगत है या नहीं। भारत में विदेशी निवेश अपेक्षाकृत नहीं आने का एक प्रमुख कारण भ्रष्टाचार है। भ्रष्टाचार के कारण भारत की अंतरराष्ट्रीय साख कमजोर है। विदेशी कंपनियां यहां निवेश करने से कतराती हैं। देश के उद्योगपति और लघु व मध्यम व्यवसायी इसकी मार से बच नहीं सके हैं। भारत एक तरफ वैश्विक ताकत बनने की दिशा में अग्रसर है, वहीं दूसरी तरफ भ्रष्टाचार की जंजीर इसके बढ़ते कदम को रोक रही है। ऐसा देश का शायद ही कोई चुनाव होगा जिसमें प्रधानमंत्री मोदी भ्रष्टाचार का जिक्र नहीं किया हो। मोदी ने लोकसभा और राज्यों की विधानसभाओं के चुनाव के दौरान भ्रष्टाचार पर प्रहार करने में कसर बाकी नहीं रखी। संसद में दिए गए भाषण में उन्होंने कहा था कि मेरे लिए भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई चुनावी जीत या हार के पैमाने पर नहीं है। मैं चुनाव जीतने या हारने के लिए भ्रष्टाचार से नहीं लड़ रहा हूं। यह मेरा मिशन है, मेरा विश्वास है। मेरा मानना है कि भ्रष्टाचार एक ऐसा दीमक है जिसने देश को खोखला कर दिया है। मैं इस देश को भ्रष्टाचार से मुक्त करने और आम लोगों के मन में भ्रष्टाचार के खिलाफ नफरत पैदा करने के लिए पूरे दिल से काम कर रहा हूं।

प्रधानमंत्री के देश से पूरी तरह भ्रष्टाचार के खात्मे के प्रति प्रतिज्ञा लेने के बावजूद यदि यह संक्रामक रोग की तरह बढ़ता ही जा रहा है तो इसके लिए ज्यादातर राजनीतिक दल जिम्मेदार हैं। क्षेत्रीय दलों की हालत यह है कि उनका एकमात्र मकसद किसी भी हालत में सत्ता में बने रहना है। इसके लिए बेशक भ्रष्टाचार से किसी भी हद तक समझौता क्यों न करना पड़े। यही वजह रही है कि इंडिया गठबंधन लगातार चुनावों में शिकस्त खाता रहा है। आश्चर्य यह है कि लोकसभा चुनावों और राज्यों के विधानसभा चुनावों में करारी हार के बावजूद विपक्षी दलों ने भ्रष्टाचार को कभी भी प्रमुख चुनावी मुद्दा नहीं बनाया। भ्रष्टाचार को लेकर हालात ये हैं कि जैसे ही कोई भी विपक्षी दल भ्रष्टाचार का जिक्र करता है, तत्काल सत्तारुढ़ दल न सिर्फ उससे बचाव में उतर आता है बल्कि विपक्षी दल के कारनामे गिनाने लगता है। यही वजह है कि क्षेत्रीय दल अपने राज्यों में मनमानी करने पर आमदा हैं। यदि केंद्रीय जांच ब्यूरो और प्रवर्तन निदेशालय कोई कार्रवाई करता है तो राज्य के सत्तारुढ़ दल इसे बदले की कार्रवाई करार देने लगते हैं। इसका उदाहरण पश्चिमी बंगाल की ममता बनर्जी सरकार, तमिलनाडु की स्टालिन सरकार और कर्नाटक की सिद्धरमैया की सरकार है। इतना ही नहीं राजनीतिक दलों का भरसक प्रयास होता है कि अदालतों में चल रहे भ्रष्टाचार के मामलों को भी प्रभावित किया जाए।

गौरतलब है कि सीनियर वकील हरीश साल्वे सहित देश के 600 से ज्यादा वकीलों ने सुप्रीम कोर्ट के तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ को पत्र लिखकर न्यायपालिका पर सवाल उठाने को लेकर चिंता जाहिर की थी। सीजेआई को लिखी चिट्ठी में वकीलों ने कहा था कि ये समूह न्यायिक फैसलों को प्रभावित करने के लिए दबाव की रणनीति अपना रहा है, और ऐसा खासकर सियासी हस्तियों और भ्रष्टाचार के आरोपों से जुड़े मामलों में हो रहा है। चिट्ठी में कहा गया है कि ये समूह ऐसे बयान देते हैं जो सही नहीं होते हैं और ये राजनीतिक लाभ के लिए ऐसा करते हैं। अपनी चिट्ठी में वकीलों ने ऐसे कई तरीकों पर प्रकाश डाला है, जिनमें न्यायपालिका के तथाकथित श्स्वर्ण युगश के बारे में झूठी कहानियों का प्रचार भी शामिल है। न्यायपालिका तक को प्रभावित करने के प्रयासों से अंदाजा लगाया जा सकता है कि भारत में भ्रष्टाचार किस हद तक व्याप्त है। देश की भ्रष्टाचार में रैंकिंग बेशक बढ़ रही हो, इसके बावजूद विगत चुनावों में भाजपा अकेली पार्टी रही, जिसने भ्रष्टाचार के खात्मे की बात कही। अन्य दल तो इस मुद्दे पर चर्चा करने तक से कतराते हैं। विपक्षी दलों ने केंद्र के सत्तारुढ़ दल को भ्रष्टाचार में लपेटने की कई बार नाकाम कोशिश की है, चाहे वह मुद्दा युद्धक विमान राफेल की खरीद का हो या अडानी ग्रुप से जुड़ा हुआ हो। विपक्षी दल सुप्रीम कोर्ट तक में भ्रष्टाचार के मामले को ले गए पर इसे साबित नहीं कर पाए। ऐसा भी नहीं है कि भाजपा भ्रष्टाचार को लेकर दूध की धुली है। भाजपा का दामन थामने वाले विपक्षी दलों के नेताओं के ऐसे मामलों को नजरांदाज किया जाता रहा है। इसके अलावा केंद्र में भाजपा अकेले अपने बलबूते सत्ता में नहीं है, ऐसे में गठबंधन के सहयोगी दलों पर लगे भ्रष्टाचार के आरोपों से मुंह फेरे रहती है। यही वजह रही है कि केंद्रीय जांच ब्यूरो और प्रवर्तन निदेशालय की तरफ से इन सहयोगी दलों के खिलाफ एक भी कार्रवाई नहीं की गई। कोई भी एजेंसी जब किसी राज्य या विभाग में भ्रष्टाचार का मामला पकड़ती है तब इस गुनाह पर पर्दा डालने के लिए यही दलील दी जाती रही है कि भ्रष्टाचार को मिटाना है। इसके बावजूद एक के बाद एक भ्रष्टाचार के मामले सामने आते रहते हैं, पर कोई राजनीतिक दल यह दावा नहीं करता कि उनके शासित राज्य से भ्रष्टाचार पूरी तरह समाप्त हो चुका है। राज्य तो दूर की बात है कि बल्कि किसी दल में इतना भी साहस नहीं है कि यह कह सके कि कोई एक विभाग पूरी तरह भ्रष्टाचार से मुक्त है।

युवा विदेश जाने के लिए बेताब क्यों..?

–विपिन पब्बी–

अवैध प्रवासियों को हथकड़ी और बेडियों में जकड़कर भारत ले जाए जाने के वीडियो और तस्वीरें देखना दुखद था। उन सभी ने लाखों रुपए खर्च किए थे और अपने सपनों की धरती पर पहुंचने के लिए कठिन यात्रा की थी, लेकिन इस तरह से वापस घर लौट आए। अवैध प्रवासियों को हथकड़ी और बेडियों में जकड़कर भारत ले जाए जाने के वीडियो और तस्वीरें देखना दुखद था। उन सभी ने लाखों रुपए खर्च किए थे और अपने सपनों की धरती पर पहुंचने के लिए कठिन यात्रा की थी, लेकिन इस तरह से वापस घर लौट आए। अवैध प्रवास का बचाव करना संभव नहीं है, लेकिन यह जीवन की सच्चाई है और यह लम्बे समय से चल रहा है। ऐसे लोगों को पकड़े जाने और वापस भेजे जाने या ट्रैवल एजेंटों द्वारा ठगे जाने की खबरें उन्हें अपनी किस्मत आजमाने से नहीं रोक पाई हैं।

वास्तव में आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, 2009 से 15,700 भारतीयों को निर्वासित किया गया है। हालांकि, पहले के निर्वासन पर लगभग किसी का ध्यान नहीं गया था, जबकि इस बार ऐसा लगता है कि संयुक्त राज्य अमरीका ने जानबूझकर इसका दिखावा किया है। इसमें पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान द्वारा अमृतसर हवाई अड्डे पर अवैध प्रवासियों के साथ अमरीकी सैन्य विमानों के उतरने को लेकर उठाया गया विवाद भी शामिल है। उन्होंने आरोप लगाया है कि यह संकेत देकर कि सभी अवैध अप्रवासी पंजाब से हैं, 'पंजाब को बदनाम करने का जानबूझकर प्रयास' किया गया। इस विवाद की कोई आवश्यकता नहीं है।

इस तथ्य से इंकार नहीं किया जा सकता है कि यह क्षेत्र और विशेष रूप से पंजाब देश से अवैध प्रवासियों का सबसे बड़ा हिस्सा है। इसके अलावा, वापस लौटने वाले अवैध प्रवासियों का विवरण जिसमें वे किस राज्य से हैं, भी प्रदान किया गया है। इसलिए यह दावा करना कि यह पंजाब को बदनाम करने का जानबूझकर किया गया प्रयास था, बहुत अधिक आधार नहीं रखता है। अमृतसर पश्चिमी देशों से विमानों के लिए भारत में उतरने वाला पहला अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा है। संयुक्त राज्य अमरीका हमें अवैध प्रवासियों को छोडने के लिए अपने हवाई अड्डों का चयन करने की सुविधा क्यों दे रहा है। उन्हें निश्चित रूप से भारत सरकार की सहमति से उन्हें निकटतम हवाई अड्डे पर छोडने का अधिकार है।

भगवंत मान और अन्य लोगों को इस बात पर जोर देने की आवश्यकता थी कि वे सवाल करें कि भारत सरकार ने अपने नागरिकों को वापस लाने के लिए अपने स्वयं के विमान क्यों नहीं भेजे? यह मैक्सिको सहित अन्य देशों द्वारा किया गया है। सरकार को अपने स्वयं के विमान भेजने से किसने रोका? यह विभिन्न स्थानों पर विमान उतार सकती थी और निर्वासित लोगों के अपमान को रोक सकती थी जिन्हें हथकड़ी और बेडियों के बिना लाया जा सकता था।

केन्द्र सरकार ने इस पर कोई बयान नहीं दिया है। यह अभी भी विमान भेज सकती है क्योंकि कई और अवैध प्रवासी निर्वासन की प्रतीक्षा कर रहे हैं। निर्वासन के सार्वजनिक प्रदर्शन ने ट्रैवल एजेंटों की भूमिका पर भी ध्यान केंद्रित किया है जो उचित या अनुचित तरीके से विदेश जाने के इच्छुक लोगों की इच्छा का शोषण करते हैं। ये एजेंट यह दावा करके उन्हें गुमराह करते हैं कि उनके पास यह सुनिश्चित करने के लिए ड्क्षलक हैं कि सब कुछ कानूनी रूप से किया गया था। पीड़ित, जो ज्यादातर अशिक्षित और अकुशल होते हैं, उनके जाल में फंस जाते हैं। इस बारे में कई कहानियां हैं कि कैसे ये लोग अपनी जमीन या घर बेच देते हैं या अपनी यात्रा के लिए भारी कर्ज लेते हैं। जिस 'डंकी रूट' पर उनमें से अधिकांश को रखा जाता है, वह अपने आप में खतरनाक है और कई पीड़ितों की रास्ते में ही मौत हो गई है।

स्पष्ट रूप से न तो केंद्र सरकार और न ही राज्य सरकारों ने अवैध तरीकों से लोगों को भेजने वाले ट्रैवल एजेंटों को रोकने के लिए प्रभावी कदम उठाए हैं। ऐसा नहीं है कि ये सरकारें इस बात से अनजान हैं कि क्या हो रहा है। अगर जरूरत हो तो कानून में संशोधन किया जाना चाहिए और ऐसे बेईमान ट्रैवल एजेंटों को कड़ी सजा दी जानी चाहिए। साथ ही सरकार को इस बात की भी जांच करनी चाहिए कि युवा विदेश जाने के लिए क्यों बेताब हैं। जाहिर है कि अवसरों की कमी और भारी बेरोजगारी इसके मुख्य कारण हैं। इन मुद्दों से निपटने और अधिक रोजगार के अवसर पैदा करने के लिए विशेषज्ञों की मदद लेनी चाहिए।

महिला प्रधानों में नेतृत्व क्षमता बढ़ाने को हुआ प्रशिक्षण

संवाददाता–देवरिया। राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान के अंतर्गत शुक्रवार को विकासखंड लार के सभागार में लार, सलेमपुर व भागलपुर ब्लॉक के महिला ग्राम प्रधानों को नेतृत्व क्षमता संवर्धन के लिए प्रशिक्षण दिया गया। दो दिवसीय क्षमता संवर्धन के पहले दिन 40 महिला ग्राम प्रधानों को प्रशिक्षित किया गया। खण्ड विकास अधिकारी संतोष कुमार ने कहा कि महिला सशक्तिकरण तथा महिला उत्थान के लिए महिलाओं का यह प्रशिक्षण मील का पत्थर साबित होगा। राज्य प्रशिक्षक अजीत तिवारी ने पंचायत की संरचना,पंचायती राज व्यवस्था ग्राम सभा तथा ग्राम पंचायत की बैठक कोरम गणपूर्ति तथा सूचना के साथ–साथ समितियां उसके गठन उसके कार्य दायित्व एवं कोरम के संदर्भ में उपस्थित ग्राम प्रधानों को विस्तार से जानकारी प्रदान किया। प्रशिक्षक आशुतोष दुबे ने सतत विकास लक्ष्य के नौ बिंदुओं पर प्रधानों को विशेष रूप से जानकारी प्रदान की। एडीओ पंचायत सलेमपुर धीरेंद्र सागर ने कहा कि इस तरह के प्रशिक्षणों से महिलाओं के आत्म सम्मान की वृद्धि होगी तथा ऊर्जा का संचार होगा। प्रशिक्षण में सलेमपुर के ग्राम प्रधान रीता तिवारी, भागलपुर की ग्राम प्रधान प्रीति देवी, ग्राम प्रधान कुसुम देवी ने खंड विकास अधिकारी को बुके भेंट कर स्वागत किया। वहीं पवन सिंह और कमलेश दुबे ने खंड विकास अधिकारी का माल्यार्पण कर स्वागत किया। महिला प्रधानों में दुर्गावती देवी, सुनीता देवी, अंजू देवी, रिंकी देवी, सुमन देवी लीलावती देवी, कलावती देवी, कुसुम,इंदु देवी, सीता देवी, खंड प्रेरक रामपति पांडेय, प्रेम शंकर यादव, विकासखंड सलेमपुर के खंड प्रेरक रवि शंकर मिश्रा,सौरभ तिवारी भागलपुर से अनिल मौर्य आदि मौजूद रहे।

अधिवक्ताओं ने काली पट्टी बांधकर किया विरोध

संवाददाता–देवरिया। तहसील बार एसोसिएशन की साधारण सभा की बैठक शुक्रवार को अध्यक्ष एड.सामन्त कुमार मिश्र की अध्यक्षता में हुई। जिसमें केन्द्र सरकार द्वारा लाये जा रहे अधिवक्ता संशोधन बिल 2025 पर चर्चा हुई। वहीं अधिवक्ताओं ने बिल के विरोध में काली पट्टी बांधकर सांकेतिक विरोध भी किया। इस दौरान अधिवक्ताओं ने एसडीएम श्रुति शर्मा को ज्ञापन भी सौंपा।

अधिवक्ताओं ने कहा कि न्याय के लिए निर्मिक वकालत पर कुठराघात है। अधिवक्ताओं ने बार कौंसिल द्वारा भेजे गये पत्रक का अवलोकन भी किया। बैठक में मंत्री अजय कुमार द्विवेदी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष राकेश कुमार शाही, उपाध्यक्ष राजाराम, युगुल किशोर तिवारी, कमण मणि त्रिपाठी, विजय सेन यादव, राजीव त्रिपाठी, निलकंठ त्रिपाठी, शिवाजी शर्मा, सुरज यादव, तेज प्रताप पाण्डेय आदि उपस्थित रहे।

जेल में बंद कैदियों ने किया महाकुंभ स्नान, पूजा-आरती करने के बाद स्नान कर लगाए जय गंगा मैया के नारे

संवाददाता–गोण्डा। गोंडा जिले और अयोध्या मंडल की जेल सहित प्रदेश की कई जेलों के कैदियों ने शुक्रवार को महाकुंभ स्नान किया। कैदियों के लिए महाकुंभ से जल लाया गया था जहां पर सभी ने पूजा–पाठ करने के बाद स्नान किया। इस संबंध में कारागार मंत्री ने आदेश दिया था जिस पर जेल में ही कैदियों के स्नान के लिए महाकुंभ के जल की व्यवस्था की गई।

जेल में सामूहिक स्नान के लिए एक बड़े से हौद में महाकुंभ का जल भर दिया। जहां पर कैदियों ने पहले पूजन किया और आरती उतारी। इसके बाद स्नान किया।

गोंडा जेल के अधीक्षक अपूर्व व्रत पाठक ने बताया कि शासन से प्राप्त निर्देशों के क्रम में जिला कारागार गोंडा में बंदियों को महाकुंभ के जल से सामूहिक स्नान कराया गया है। महाकुंभ के जल से स्नान करने के बाद बंदियों के चेहरे पर भी प्रसन्नता थी। इस अवसर पर जेलर शिव प्रताप मिश्रा, डिप्टी जेलर सुरेश कुमार, शैलेंद्र वर्मा सहित जेल के सभी अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

चारपाई में पड़ा मिला विवाहिता का शव, पति फरार भाई बोला– बहनोई ने गला घोंटकर हत्या कर दी

संवाददाता–श्रावस्ती। शुक्रवार को महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। सूचना पर पहुंचे मृतका के मामा व भाई ने पति पर प्रताड़ित करने एवं हत्या करने का आरोप लगाया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण करके जानकारी जुटाई। पुलिस आगे की कार्रवाई की कर रही है। मामला सिरसिया थाना क्षेत्र के जमुनी कला गांव का है। गांव बाबूराम यादव की शादी थाना क्षेत्र के ही ऊधोपुरवा गांव निवासी बसंती यादव (26) के साथ हुई थी। दोनों को डेढ़ साल की एक बच्ची भी है। बंसती के भाई रामचरन यादव ने बताया कि तीन दिन पहले एक बरीक्षा कार्यक्रम था। इसमें बसंती अपने मायके आई थी।

बताया कि वहां से बृहस्पतिवार को वापस ससुराल लौट गई। शुक्रवार

दोपहर बाद उसकी संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। सूचना पर अपने मामा चिल्हरिया निवासी मालिकराम यादव के साथ पहुंचे रामचरन ने देखा कि बसंती का शव चारपाई पर पड़ा है। इसके गले में फंदे का निशान है। जबकि बाबूराम घर छोड़कर फरार है।

सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। रामचरन ने बताया कि बृहस्पतिवार को किसी बात को लेकर बाबूराम ने बसंती को मारा पीटा था। इसके बाद गला घोंटकर हत्या कर दी। मुझे बताया कि बसंती बीमार थी। इलाज कराने ले जा रहे थे। थानाध्यक्ष राजकुमार सरोज ने बताया कि मामले की जांच कर रही है।

संसाधन का अभाव, आग के तांडव पर कैसे काबू पाएगा अग्निशमन विभाग

संवाददाता–देवरिया। मौसम में बदलाव होने लगा है। मार्च माह के द्वितीय पखवारे से आग लगने की घटनाओं में इजाफा होने लगता है। लेकिन इसको लेकर अभी अग्निशमन विभाग तैयार नहीं दिख रहा है और संसाधन का अभाव है। विभाग के पास जिले में 10 गाड़ियां तो हैं, लेकिन उन्हें चलाने के लिए मात्र दो चालक की तैनाती है। ऐसे में आठ गाड़ियां कैसे चलेंगी? यह बड़ा सवाल है। हालांकि अग्निशमन विभाग के जिम्मेदार अधिकारी व्यवस्था कर लेने का दावा कर रहे हैं। एक अप्रैल से 30 जून तक आग लगने की घटनाएं आग लगने की घटनाएं सर्वाधिक होती हैं। हर वर्ष सैकड़ों एकड़ गेहूं की फसल आग की भेंट चढ़ जाती हैं, जबकि कईयों का आशियाना भी जल जाता है। पिछले वर्ष जन हानि भी बहुत हुई थीं। सात लोग आग की भेंट चढ़ गए थे। 15 मार्च के बाद अग्निशमन विभाग की गाड़ियां तहसील मुख्यालय जाने लगती हैं, लेकिन इसको लेकर अभी अग्निशमन विभाग तैयार नहीं है। अग्निशमन विभाग के आंकड़ों पर नजर दौड़ाएं तो अग्निशमन विभाग के पास चार बड़ी, तीन छोटी तथा तीन बोलेरो है। तीन बोलेरो से ही अग्निशमन विभाग के पास मौजूद सात पंपों को विभिन्न जगहों पर भेजा जाता है। इसके अलावा एक मुख्य अग्निशमन अधिकारी, एक दरोगा, तीन हवलदार, दो चालक व 35 सिपाही हैं। अग्निशमन विभाग के पास गाड़ियां तो दस है, जबकि चालक दो हैं। ऐसे में आग लगने पर सभी गाड़ियां कैसे जाएंगी?

निर्धारित समय के लिए सलेमपुर व रुद्रपुर तहसील को एक–एक बड़ी गाड़ी, जबकि बरहज तथा भाटपाररानी तहसील क्षेत्र के लिए एक–एक छोटी गाड़ी भेजी जाती है। इसके अलावा मुख्यालय पर दो बड़ी गाड़ी व एक छोटी गाड़ी रहती है। रुद्रपुर का अग्निशमन केंद्र लगभग तैयार हो गया है। मिट्टी कार्य नहीं किया गया है। जबकि मझौलीराज में तेजी से कार्य हो रहा है। विभागीय अधिकारियों की माने तो इस वर्ष दोनों केंद्रों से अभी कार्य शुरू नहीं हो पाएगा। अगर दोनों अग्निशमन केंद्र संचालित हो जाते तो संसाधन भी विभाग को मुहैया हो जाता। जिसके बाद आग पर काबू पाना अग्निशमन विभाग को आसान हो जाता।

अधिवक्ता संशोधन विधेयक के विरोध में प्रदर्शन

संवाददाता–महराजगंज। अधिवक्ता संशोधन विधेयक के खिलाफ शुक्रवार को जनपद के अधिवक्ताओं ने प्रदर्शन किया। इसके बाद राष्ट्रपति को संबोधित मांग पत्र डीएम को सौंपा। उधर, तहसील में भी अधिवक्ताओं ने प्रदर्शन किया। सिविल बार एसोसिएशन के अध्यक्ष करुणाकरपति त्रिपाठी ने कहा कि सरकार अधिकार देने की जगह छीनकर स्वायत्त संस्थाओं पर कब्जा चाहती है, जिसे किसी कीमत पर पूरा नहीं होने दिया जाएगा। अधिवक्ताओं ने प्रस्तावित विधेयक की प्रतियों को प्रतीकात्मक रूप में जलाकर प्रदर्शन किया।

शुक्रवार को जनपद के अधिवक्ता न्यायिक कार्य से विरत रहे और सिविल के अलावा कलक्ट्रेट व टैक्स बार एसोसिएशन के बैनर तले विरोध–प्रदर्शन में शामिल हुए। टैक्स बार एसोसिएशन के अध्यक्ष अभिषेक मिश्रा ने कहा कि बार काउंसिल ऑफ इंडिया में केंद्र सरकार अपने तीन सदस्य शामिल करना चाहती है, जिससे अधिवक्ताओं के मामलों में सरकार का नियंत्रण हो जाए जो हमें कमजोर करने की साजिश और न्यायतंत्र के निजीकरण का प्रयास है।

कलक्ट्रेट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष जीतेंद्र लाल श्रीवास्तव ने कहा कि सरकार को अधिवक्ताओं को पेंशन, बीमा और स्टार्टअप फंड देकर उन्हें अधिकार देने की जगह जो अधिकार हैं उसे भी छीनने का प्रयास कर रही है। सिविल बार एसोसिएशन के महामंत्री अनूप सिंह ने कहा कि यह संशोधन विधेयक अधिवक्ताओं के मौलिक अधिकारों के विरुद्ध है। यदि अधिवक्ता की विधिक सेवाएं स्वतंत्र नहीं रहेंगी तो वह सरकार के विरुद्ध मुकदमों की पैरवी कैसे करेगा।

संशोधन विधेयक के माध्यम से सरकार देश की अन्य संस्थाओं की भांति न्यायिक सेवा पर भी अपने राजनीतिक लाभ के लिए नियंत्रण करना चाह रही है। विरोध प्रदर्शन में रविशंकर त्रिपाठी, गिरिजेश मिश्रा,उमेश तिवारी, आफताब अंसारी, अजय चौधरी, अजय वर्मा, पूर्व अध्यक्ष शंभू शरण पांडेय, इंद्रासन सिंह, हमीदुल्लाह खान, राघवेंद्र सिंह, चंदन केडिया आदि मौजूद रहे। रेवेन्यू बार एसोसिएशन के अध्यक्ष अष्टभुजा वर्मा व महामंत्री परमात्मा सिंह भी शामिल रहे।

फरेंदा प्रतिनिधि के अनुसार, बार काउंसिल ऑफ इंडिया के आह्वान पर सिविल कोर्ट बार एसोसिएशन फरेंदा के अधिवक्ताओं ने शुक्रवार को अधिवक्ता संशोधन विधेयक 2025 के विरोध में धरना–प्रदर्शन कर कलम बंद हड़ताल किया। साथ ही मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन उपजिलाधिकारी मुकेश कुमार सिंह को सौंपा।

इस मौके पर अध्यक्ष रविंद्र नाथ उपाध्याय, महामंत्री अनिल पासवान, अरविंद मिश्र, सुधेश मोहन श्रीवास्तव, मनोज मिश्र, डीएन चतुर्वेदी, रामसहाय गुप्ता, स्कंद श्रीवास्तव मौजूद रहे। इसी क्रम में रेवन्यू बार एसोसिएशन के अधिवक्ताओं ने अधिवक्ता अधिनियम 1961 के संशोधन प्रस्तावित बिल के विरोध में प्रदर्शन कर तहसीलदार वशिष्ठ वर्मा को ज्ञापन सौंपा। इस मौके पर अध्यक्ष अष्टभुजा वर्मा, मंत्री परमात्मा सिंह, सेराज अहमद, राघवेंद्र तिवारी, संजय मिश्रा मौजूद रहे।

निचलौल व नौतनवा प्रतिनिधि के अनुसार, तहसील परिसर में अधिवक्ताओं ने विरोध प्रदर्शन किया। उसके बाद अधिवक्ताओं ने जिलाधिकारी के नाम संबोधित ज्ञापन एसडीएम को सौंपा। प्रदर्शन कर रहे अधिवक्ताओं का कहना है कि 21 फरवरी को भारत सरकार की ओर से अधिवक्ता अधिनियम से संबंधित कानून में संशोधन कर अधिवक्ताओं के अधिकार का हनन करने का प्रयास किया जा रहा है। इस अवसर पर अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष संगम पांडेय, विजय तिवारी, विरेंद्र तिवारी, हरिश्चंद्र पांडेय, नवीन मिश्रा, त्रिपुरेश पांडेय, सुनील चौधरी मौजूद रहे।

खराब रैंकिंग वाले अधिकारियों को लगाई फटकार

संवाददाता–श्रावस्ती। । सीएम डैशबोर्ड पर विकास कार्यों व सीएमआईएस पोर्टल पर निर्माण कार्यों के प्रगति की समीक्षा बैठक हुई। जिसकी अध्यक्षता जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी ने की। बैठक में खराब रैंकिंग वाले विभागाध्यक्षों को डीएम ने कड़ी फटकारा लगाई। समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने खराब रैंकिंग वाले विभागाध्यक्षों को कड़ी फटकार लगायी तथा कार्य में तेजी लाकर शत–प्रतिशत लक्ष्य की पूर्ति करने का निर्देश दिया है। समीक्षा के दौरान माह जनवरी में राजस्व कार्यों में श्रावस्ती को 23वीं रैंक मिला। जबकि फरवरी में कुल 85 कार्यक्रमों में से 58 कार्यक्रमों में ए प्लस व ए श्रेणी, छह कार्यक्रमों में बी श्रेणी, चार कार्यकमो में सी श्रेणी, चार कार्यकमो में डी श्रेणी, दो कार्यकमों में ई श्रेणी व 11 कार्यक्रमों में बेहद निम्न श्रेणी मिली। इसी तरह सीएमआईएस पोर्टल पर एक करोड़ से अधिक लागत के निर्माण कार्यों की समीक्षा की गई। डीएम ने कहा कि जो भी परियोजनाएं पूर्ण हो चुकी है उन्हें हैण्डओवर करें। एक वर्ष से अधिक लम्बित परियोजनाओं को तेजी लाकर पूरा कराने का निर्देश दिया। इस मौके पर सीडीओ अनुभव सिंह, सीएमओ डा एके सिंह, जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी अजय कुमार यादव, डीडीओ रामसमुझ आदि मौजूद रहे।

मदनी मस्जिद कमेटी के सेक्रेटरी की हार्ट अटैक से मौत

संवाददाता–कुशीनगर। जले की हाटा नगर के मदनी मस्जिद कमेटी के सेक्रेटरी शाकिर खान की शुक्रवार को हार्ट अटैक से मौत हो गई। गुरुवार की दोपहर उन्हें सीने में दर्द होने पर गोरखपुर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। यहां से लखनऊ रेफर कर दिया गया। लखनऊ में इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। शाकिर के इंतकाल की खबर मिलते ही मदनी मस्जिद के पास लोगों की भीड़ जुट गई। शाकिर की मौत के बाद पुलिस भी अलर्ट हो गई है।

आपको बता दें कि नगर के करमहा चौराहा स्थित मदनी मस्जिद पर हुए प्रशासन की तरफ से हुई कार्रवाई पर सुप्रीम कोर्ट ने रोक लगा दी है। बुलडोजर की कार्रवाई के बाद मस्जिद कमेटी की ओर से सुप्रीम कोर्ट में अवमानना याचिका दाखिल की थी। उस पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने मस्जिद पर आगे से कोई भी तोड़फोड़ की कार्रवाई करने पर रोक लगाते हुए अधिकारियों से जवाब तलब किया है। करीब 20 वर्षों से निर्माणाधीन हाटा की मदनी मस्जिद के एक हिस्से को प्रशासन ने सरकारी जमीन पर बना होना

बताते हुए बीते नौ फरवरी को प्रशासन बुलडोजर लगा कर तोड़वा दिया था।

हालांकि, मस्जिद कमेटी की ओर से प्रशासन पर आरोप लगाया गया था कि प्रशासन ने बगैर उन्हें पूर्व सूचना दिए मस्जिद पर बुलडोजर चला दिया। जबकि, प्रशासन की ओर से जारी प्रेस नोट में मस्जिद कमेटी को तीन बार नोटिस देने की बात कही गई थी। इसी मामले को लेकर मस्जिद कमेटी ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। इस पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को मस्जिद पर आगे से किसी भी तोड़फोड़ की कार्रवाई से रोक लगाते हुए कुशीनगर जिला प्रशासन के अधिकारियों से जवाब तलब किया गया है।

वकीलों ने किया प्रदर्शन, जलाई बिल की प्रतियां

संवाददाता–श्रावस्ती। केंद्र सरकार के अधिवक्ता संशोधन बिल 2025 को लेकर बार एसोसिएशन के नेतृत्व में वकीलों ने सड़क पर उतकर प्रदर्शन किया। इस दौरान अधिवक्ताओं की ओर से ज्ञापन सौंपा गया। साथ ही बिल की प्रतियां जलाई गई। माडल डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन श्रावस्ती के अध्यक्ष दिनेश कुमार शुक्ला की अगुवाई में पदाधिकारियों व वकीलों ने शुक्रवार को भिनगा में सड़क पर उतर कर विरोध प्रदर्शन किया। अधिवक्ता न्यायालय परिसर से प्रदर्शन व नारेबाजी करते हुए कलेक्ट्रेट पहुंचे। जहां राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी को सौंपा। इस मौके पर दिनेश कुमार शुक्ला ने कहा कि भारत सरकार की ओर से जारी अधिवक्ता संशोधन बिल 2025 का अधिवक्ता संघ विरोध करता है। इस बिल को किसी भी हाल में स्वीकार नहीं किया जाएगा। अधिवक्ता व उनके परिवार के लिये एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट का प्राविधान किया जाय। परिषदों

के सदस्यों या अस्तित्व पर सुझाये गये संशोधन को तुरन्त समाप्त किया जाय। परिषदों में निर्वाचित सदस्यों के अतिरिक्त सरकार की ओर से कोई सदस्य नामित न किया जाय। बार काउंसिल मांग करती है कि प्रदेश के अधिवक्ताओं का 10 लाख का मेडिक्लेम व किसी अधिवक्ता के मृत्यु होने पर 10 लाख की बीमा राशि दी जाय। इस मौके पर महामंत्री राम गोपाल शुक्ला, अमन पांडेय आदि मौजूद रहे। इसी तरह से इकौना में अधिवक्ता तहसील संघ इकौना के अध्यक्ष पवन कुमार मिश्रा के नेतृत्व में अधिवक्ताओं ने प्रदर्शन किया। इस दौरान राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन एसडीएम ओम प्रकाश को सौंपा। साथ ही अधिवक्ताओं की ओर से बिल की प्रतियां जलाई गई। अध्यक्ष ने कहा कि पूरे देश के अधिवक्ता समाज के साथ अधिवक्ता संशोधन बिल 2025 एक धोखा है। यह बिल अधिवक्ताओं के अधिकार का हनन करने वाला है। केंद्र सरकार जबरन अधिवक्ताओं पर यह बिल लाकर शोषण का शिकार बनाने का कार्य कर रही है। अधिवक्ता समाज इसे कदापि बर्दाश्त नहीं करेगा।

मेडिकल स्टोर में अप्रशिक्षितों ने कराया प्रसव, बच्चे की मौत, घर जाते समय मां की भी मौत

संवाददाता–श्रावस्ती। एंबुलेंस से प्रसव के लिए सीएचसी गिलौला आई पीड़िता को बेहतर सुविधा नहीं मिली जिसका फायदा उठाते हुए आशा कार्यकर्ता उसे एक मेडिकल स्टोर ले गईं। जहां अप्रशिक्षितों ने प्रसव कराया। प्रसव के बाद बच्चे की मौत हो गई। इसके बाद उसे घर ले जाने के लिए बाहर कर दिया। जिसकी रास्ते में मौत हो गई। मामले में पति ने गिलौला पुलिस से शिकायत की है।

भिनगा कोतवाली क्षेत्र के ग्राम रामनगर केरवनिया निवासी सुरेश कुमार चौहान की पत्नी रानी (30) को बुधवार को प्रसव पीड़ा हुई जिसे आशा कार्यकर्ता अनीता सिंह एंबुलेंस से सीएचसी गिलौला लाई। जहां मौजूद चिकित्सक ने रानी को परिसर में चलने के लिए कहा। इस दौरान उसकी हालत बिगड़ने लगी। मौके पर मौजूद आशा ने बताया कि अस्पताल में बेहतर इलाज नहीं हो पाएगा। इसे प्राइवेट अस्पताल ले चलो। इसके बाद आशा रानी को सड़क पार राम मेडिकल स्टोर के पीछे कमरे में ले गई। जहां मनोज गुप्ता व विनय गुप्ता ने एक महिला के साथ मिल कर रानी का प्रसव कराया। प्रसव के कुछ देर बाद बच्चे की मौत हो गई। इसके बाद रानी को वहां से बाहर कर दिया गया। इस दौरान प्रसव व दवा के नाम पर आठ हजार रुपये भी लिए गए। घर ले जाते समय रास्ते में रानी की मौत हो गई। मामले में पीड़ित पति ने गिलौला पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है।

रामनगर केरवनिया निवासी रानी का यह तीसरा प्रसव था। सुरेश चौहान का आरोप था कि सीएचसी में करीब 20 मिनट रहने के बाद भी उसको इलाज नहीं मिला। इसके बाद आशा उसे मेडिकल स्टोर ले गई थी। जिसने बताया था कि वह मेडिकल स्टोर के बारे में जानती है। वहां नार्मल डिलीवरी हो जाएगी। प्रसव कराने के लिए रानी के साथ पीड़ित की दादी व चाची भी गई थी। जिले में खुले ज्यादातर निजी अस्पतालों में आशा कार्यकर्ताओं को ऐसे मामले लाने के लिए कमीशन दिया जाता है। पैसे के लालच में आशा कार्यकर्ता लोगों की जिंदगी से खेल रहीं हैं। जिसका खामियाजा रानी व उसके नवजात शिशु को अपनी जान देकर चुकाना पड़ा।

सीएमओ डॉ. एके सिंह ने कहा कि घटना की जानकारी के बाद डिप्टी सीएमओ डा. डीके सिंह को भेज कर मेडिकल स्टोर को सील कर दिया गया है। रही बात आशा की तो इसकी नियुक्ति ग्राम प्रधान करते हैं। उसे मैं निकाल नहीं सकता लेकिन दोषी मिली तो उसे नियमानुसार हटाया जाएगा।

सीसीटीवी कैमरे की निगरानी में होगा कलक्ट्रेट परिसर व भवन

संवाददाता–कुशीनगर। कलेक्ट्रेट के सभी सरकारी कार्यालयों और परिसर जल्द सीसीटीवी कैमरे की निगरानी में होंगे। इससे कार्यालयों में काम करने वाले कर्मचारियों से लेकर वहां आने वाले फरियादियों तक पर नजर रखी जाएगी। इन सभी कार्यालयों की निगरानी डीएम और एडीएम स्तर से की जाएगी। इसको सर्वे कराने के बाद अब कलक्ट्रेट में कैमरे लगाने के कार्य भी शुरु कर दिया गया है। इसके साथ ही कर्मचारियों को ई–ऑफिस पर कार्य करने के भी आदेशित किया गया है।

कलक्ट्रेट में किसी भी फरियादी के प्रवेश करने और वह किस–किस कार्यालयों में पहुंचा व कब वापस निकला इसको लेकर सीसीटीवी के माध्यम से पूरी मॉनिटरिंग लगातार होती रहेगी। इससे कोई भी व्यक्ति अधिकारी से बिना वजह शिकायत नहीं कर पाएगा। अक्सर जिला मुख्यालय में आने वाले फरियादी अधिकारियों से शिकायत करते हैं कि कार्यालय में कर्मचारी सीट पर नहीं मिलते हैं। वह लगातार चक्कर काटते हैं। सीसीटीवी कैमरे लगने के बाद यह स्पष्ट हो जाएगा कि कर्मचारी अपनी कुर्सी पर हैं या नहीं। ऐसे में फरियादी भी अधिकारियों से झूठ नहीं बोल सकेंगे। इसके लगने से भ्रष्टाचार पर भी अंकुश लगेगा।

अक्सर कलेक्ट्रेट में पहुंचने पर फरियादी शिकायत करते हैं कि कर्मचारी काम करने की एवज में खुलेआम रिश्वत मांगते हैं। ऐसे में सीसीटीवी कैमरे होने पर इस आरोप पर भी अंकुश लग सकेगा। बताया जा रहा है की सभी सीसीटीवी कैमरों की मॉनिटरिंग के लिये एक कंट्रोल रुम बनाया गया है, जिससे डीएम और एडीएम लगातार मॉनिटरिंग करेंगे। सीसीटीवी कैमरे लगाने का कार्य शुरु कर दिया गया है और जल्द ही इसे पूरा कर लिया जायेगा।

इसके अलावा सभी कार्यालयों में ई–ऑफिस पर कार्य करने के लिये कर्मचारियों को आदेशित किया जा चुका है। इससे सभी ऑफिस पूरी तरह से कागज मुक्त होंगे और अधिकारी अपनी टेबल पर रखें कंप्यूटर के जरिए ही काम करेंगे।

चोरी मामले के दोषी को पांच महीने 15 दिन की कैद

संवाददाता–श्रावस्ती। चोरी मामले में दोषी को न्यायालय ने पांच महीने 15 दिन के कारावास की सजा सुनाई। साथ ही अर्थदंड से दंडित किया। 2018 में आरोपी ने मवेशियों की चोरी की थी। सोनवा थाना क्षेत्र के ग्राम चन्दरखा बुजुर्ग निवासी दद्दन पुत्र बच्चूलाल ने वर्ष 2018 में एक भैंस व पड़वा की चोरी की थी। मवेशी स्वामी की तहरीर पर सोनवा थाने में संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया। विवेचना पूरी कर पुलिस की ओर से आरोप पत्र न्यायालय में दाखिल किया गया। जिसके बाद न्यायालय में मामले का विचारण शुरू हुआ। गुरुवार को मामले की सुनवाई के दौरान न्यायालय ने आरोपी को दोषी करार देते हुए पांच महीने 15 दिन के कारावास की सजा सुनाई। साथ ही 500 रुपये के अर्थदंड से भी दंडित किया।

सिंचाई विभाग का कनिष्ठ सहायक रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार

संवाददाता–बहराइच। शुक्रवार को सिंचाई विभाग का कनिष्ठ सहायक रिश्वत लेते रंगे हाथ धरा गया। इसे विजिलेंस टीम ने गिरफ्तार किया है। टीम ने इसे 27 हजार की रिश्वत लेते पकड़ा। कनिष्ठ सहायक गणेश शुक्ला को सूचना पर पहुंची गोंडा एंटी करप्शन थाने की ट्रैप टीम ने रंगे हाथ दबोच लिया। टीम सिंचाई विभाग के कर्मचारी की शिकायत पर कई दिनों से इस रिश्वतखोर को ट्रैप कर रही थी। इसे अधिशासी अभियंता नलकूप खंड सिंचाई विभाग बहराइच के कार्यालय से गिरफ्तार किया गया है।

28 फरवरी तक निरस्त रहेगी नौतनवा इंटरसिटी

संवाददाता–महराजगंज। रेलवे प्रशासन ने परिचालनिक कारणों से छपरा–नौतनवा इंटरसिटी एक्सप्रेस को 22 से 28 फरवरी तक निरस्त कर दिया है। ट्रेन निरस्त होने से यात्रियों को काफी समस्या होगी। वहीं नौतनवा से गोरखपुर या अधिक दूरी तक यात्रा करने वाले यात्रियों को करीब आठ घंटे तक ट्रेन का इंतजार करना पड़ेगा। छपरा से चलकर नौतनवा तक आने वाली 15105 छपरा–नौतनवा इंटरसिटी एक्सप्रेस और नौतनवा से चलकर छपरा तक जाने वाली 15106 नौतनवा–छपरा एक्सप्रेस को रेलवे प्रशासन ने 22 से 28 फरवरी तक निरस्त कर दिया है। इंटरसिटी एक्सप्रेस सप्ताह में प्रत्येक रविवार को भी निरस्त रहती है। सोमवार से शनिवार तक छपरा से चलकर 12:25 बजे नौतनवा स्टेशन पर आती है।

5600 शिक्षक कराएंगे बोर्ड परीक्षा, परीक्षा के दौरान मिलेगी 24 घंटे बिजली

संवाददाता–कुशीनगर। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद की ओर से आयोजित 2025 की हाईस्कूल व इंटरमीडिएट की बोर्ड परीक्षा की तैयारी जिला प्रशासन ने तेज कर दी है। एक तरफ शासन के निर्देश पर परीक्षा के दौरान 24 घंटे निर्बाध बिजली देने की तैयारी की जा रही है तो वहीं परीक्षा संपन्न कराने के लिए केंद्रों पर करीब 5600 कक्ष निरीक्षकों की तैनाती की गई है। इसमें 700 कक्ष निरीक्षक बेसिक शिक्षा परिषद से मंगाए गए हैं। यदि जरूरत पड़ती है तो परिषदीय विद्यालयों के शिक्षकों को और बुलाया जाएगा।

जिले में राजकीय, वित्तपोषित और स्ववित्तपोषित समेत कुल 361 माध्यमिक विद्यालय संचालित होते हैं। इसमें से 152 विद्यालयों को परीक्षा केंद्र बनाया गया है। 24 फरवरी से शुरू होने वाली यूपी बोर्ड परीक्षा में इस वर्ष 1,13,251 परीक्षार्थी पंजीकृत है। इसमें दसवीं के 30,599 बालक व 29,213 बालिका समेत 59,762 परीक्षार्थी और इंटर के 27,132 बालक व 26,348 बालिका समेत 53,490 परीक्षार्थी में शामिल होंगे। जिला विद्यालय निरीक्षक श्रवण कुमार गुप्ता ने बताया कि इस समय बोर्ड परीक्षा की तैयारी जोर–शोर से चल रही है।

दुष्कर्म के आरोपित के घर नोटिस चस्पा

संवाददाता–गोरखपुर। सहजनवा क्षेत्र के एक गांव में मारपीट व दुष्कर्म करने के फरार चल रहे आरोपित के घर शुक्रवार को पुलिस ने नोटिस चस्पा किया। जानकारी के मुताबिक, सहजनवा थाना क्षेत्र के गांव की युवती के साथ मारपीट कर दुष्कर्म करने का मामला सामने आया था। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने थाना क्षेत्र के सीहापार निवासी जिला जीत साहनी के खिलाफ केस दर्ज कर जांच कर रही है। आरोपित केस दर्ज होने के बाद से फरार चल रहा है। शुक्रवार को दरोगा घनश्याम उपाध्याय के नेतृत्व में पुलिस टीम आरोपित के घर पहुंच कर नोटिस चस्पा किया है।

ट्रेन से गिरकर अज्ञात युवक की मौत

संवाददाता–गोरखपुर। सहजनवा क्षेत्र के सीहापार रेलवे हाल्ट के पास शुक्रवार को एक अज्ञात युवक की ट्रेन से गिरकर भोर में मौत हो गई। मौके पर पहुंची स्थानीय पुलिस शव को कब्जे में लेकर शिनाख्त कराने में जुट गई है।

जानकारी के मुताबिक, स्थानीय लोग सुबह हाल्ट की तरफ टहलने के लिए गए थे। कुछ लोगों ने हाल्ट के पास एक युवक का क्षत विक्षत शव पड़ा हुआ देखा।

किसी ने इसकी सूचना स्थानीय पुलिस को दे दी।

प्रभारी थानाध्यक्ष पंकज सिंह ने बताया कि युवक लगभग 22 वर्ष का है। उसके पास से 20 फरवरी को गोरखपुर से दिल्ली जाने का जनरल टिकट मिला है।

अभी तक शव की पहचान नहीं हो पाई, पहचान कराने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने ट्रेन से गिर कर मौत होने की आशंका जताई है

कैंट व खोराबार में बाइक सवारों ने मोबाइल छीना

संवाददाता–गोरखपुर। कैंट और खोराबार इलाके में बाइक सवार बदमाशों ने मोबाइल फोन लूट लिया। दोनों ही जगहों पर बदमाशों की संख्या तीन थी। पुलिस आरोपितों की तलाश में जुटी है। कैंट इलाके के दाउदपुर में गुरुवार की रात 11 बजे बाइक सवार गगहा निवासी योगेश तिवारी का मोबाइल फोन लूट लिए।

योगेश अपनी दादी को एक नर्सिंग होम में भर्ती कराए है और रात में दवा लेने के लिए बाहर निकले थे। इसी दौरान आए बाइक सवार मोबाइल छीनकर फरार हो गए। दूसरी घटना खोराबार के डांगीपार में सामने आई है।

खोराबार प्रतिनिधि के मुताबिक, खोराबार थाना क्षेत्र के डुहिया निवासी स्वराज यादव बुधवार की शाम करीब 6 बजे डांगीपार चौराहा स्थित बाजार करने गए थे। वह मोबाइल फोन से बात कर रहा था कि उसी दौरान एक बाइक पर सवार तीन युवक पहुंचे और झपट्टा मारकर मोबाइल छीनकर फरार हो गए। आसपास के लोगों ने दौड़ाया लेकिन बाइक पर सवार तीनों युवक फरार हो गए। पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है।

सीओ कैंट योगेंद्र सिंह ने बताया कि पुलिस दोनों ही मामलों की जांच कर रही है। जल्द ही आरोपितों की गिरफ्तारी कर मोबाइल फोन बरामद कर लिया जाएगा।

मैरिज हाउस में वाहन खड़ी करने पर मारपीट, केस दर्ज

संवाददाता–गोरखपुर। मैरिज हाउस पर आए लोगों के वाहन घर के बाहर खड़ा करने को लेकर विवाद हो गया। इसका विरोध करने पर मारपीट हो गई। पुलिस मैरिज हाउस संचालक के खिलाफ केस दर्ज कर जांच कर रही है।

रानीडीहा खोराबार निवासी सुरेंद्र कुमार मौर्य ने केस दर्ज कराया है। उनका कहना है कि पड़ोदार विनोद कुमार मौर्य उर्फ संजय मौर्य अवैध रूप से मैरिज हाउस संचालित करता है। वह कार्यक्रम के दिन मेरे दरवाजे के सामने गाड़ी खड़ा करवाकर जाम लगवा देता है। विरोध करने पर वह मारपीट पर उतारू हो जाता है। बुधवार की रात करीब 9.30 बजे विनोद कुमार मौर्य मैरिज हॉल का गेट लगवा रहा था। उसी दौरान पिता रामचंद्र मौर्य ने विरोध किया तो वह गाली देते हुए अपने पिता रामपति मौर्य, भाई राजेश कुमार मौर्य, अम्बरेश मौर्य, रोहित मौर्य सहित पांच से सात अज्ञात लोगों को बुला लिया उक्त सभी लोग लाठी–डंडा लेकर घर में घुस गए और तोड़फोड़ करना शुरू किए।

छोटा भाई अजय कुमार मौर्य ने विरोध किया तो उक्त लोगों ने प्राणघातक हमला कर घायल कर दिए। आसपास के लोगों ने बीच–बचाव किया तथा तत्काल पीआरबी पुलिस को सूचना दिया गया, पुलिस के पहुंचने पर उक्त आरोपी धमकी देते हुए फरार हो गए। सीओ कैंट योगेंद्र सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर केस दर्ज कर पुलिस जांच कर रही है। जांच व साक्ष्यों के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

अदालती नोटिस

(हेतु सन्दर्शित करने की सूचना साधारण प्रारूप)

(आर्डर 5 कायदा 3)

न्यायालय–श्रीमान अपर जिला जज/एफ0टीएसी0 द्वितीय बस्ती जिला–बस्ती

प्रकीर्णवाद सं0 150/2022

सिविल अपील सं0–40/2011

श्रीमती पत्ती देवी (मृतक) आदि

बनाम

श्रीमती विद्या देवी आदि

1. श्रीमती विद्या देवी उम्र लगभग 40 वर्ष बेवा ओरीलाल कथित मौजा अमहट उर्फ बैरिहवा मालवीय मार्ग तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला–बस्ती 2. शिव कुमार गुप्ता उम्र 66 वर्ष पुत्र गनेश निवासी माली टोला गांधी नगर तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला–बस्ती

–विपक्षी प्रथम वर्ग

2/2 गुड़िया उम्र 35 वर्ष पुत्री मंगल पत्नी जगदीश निवासिनी खड़उवा परगना नवाबगंज नगर पूरव पोस्ट खड़उवा तहसील व जिला गोण्डा 2/3 पूनम उम्र 26 साल पुत्री मंगल पत्नी जुगानी निवासी बेलवाकला तप्पा कड़र परगना मगहर पश्चिम तहसील मेंहदावल जिला–संतकबीर नगर

–विपक्षीगण द्वितीय वर्ग

तारीख पेशी 05–03–2025

चूंकि उपरीनामांकित ने इस न्यायालय में आवेदन किया है कि अतएवं आपके एतद द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप इसे आदेश के खिलाफ हेतु सन्दर्भित करने के लिये 2025 के माह 03 के 05 दिवस को 10.00 बजे पूर्वान्ह में स्वयं या सम्पर्क रूपेण अनुर्दिष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपस्थित हो और ऐसा न करने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय रूप से सुना जायेगा

मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित आज सन 20 के माह के दिवस को निकाली गयी।

द0 हाकिम

आज से शुरू होगा अंबेडकरनगर महोत्सव, बॉलीवुड और भोजपुरी कलाकार मचाएंगे धमाल

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। 22 फरवरी को अंबेडकरनगर विकास एवं विरासत महोत्सव 2025 का जोरदार आगाज होगा। मंडलायुक्त अयोध्या गौरव दयाल कार्यक्रम का शुभारंभ करेंगे। डीएम अविनाश सिंह ने बताया कि इस बार महोत्सव पूरी तरह से आम आदमी को समर्पित रहेगा। इसलिए किसी भी प्रकार के पास नहीं जारी किए जाएंगे। यातायात व्यवस्था में कोई व्यवधान न आए। इसके लिए सभी एसडीएम और सीओ अपने अधीनस्थों के साथ मोर्चा संभालेंगे। जिले और राज्य स्तर पर सूचना विभाग में पंजीकृत कलाकारों को भी मंच प्रदान किया जाएगा। स्कूली बच्चे अपनी प्रतिभाओं का प्रदर्शन कर सकेंगे।

पशुप्रेमियों से लेकर महिलाओं और बच्चों के लिए भी विशेष कार्यक्रम डॉग शो व हेल्दी बेबी शो का आयोजन किया जाएगा। एक जनपद एक उत्पाद से लेकर समूह की महिलाओं के उत्पादों के स्टॉल, बच्चों के लिए झूलों के इंतजाम किए जाएंगे।

22 फरवरी को बॉलीवुड गायक शबाब साबरी, भोजपुरी अदाकारा अक्षरा सिंह मुख्य आकर्षण का केंद्र रहेंगे। 23 फरवरी को गायिका ममता शर्मा के गीतों के साथ अखिल भारतीय कवि सम्मेलन का आयोजन होगा, जिसमें देश के तमाम मशहूर कवि मौजूद रहेंगे। 24 फरवरी को सूफी गायक अल्ताफ रजा और भोजपुरी गायक खेसारी लाल यादव के गीत लोगों को झुमाएंगे। कार्यक्रम को लेकर सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

डॉ. महेंद्र प्रताप सिंह की प्रथम पुण्यतिथि मनाई गई

संवाददाता–गोरखपुर। मोहद्दीपुर, गोरखपुर स्थित मिश्रा होमियो हॉल परिसर में विश्व के सबसे बड़े होम्योपैथिक चिकित्सकों के संगठन ष्दी होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन ऑफ इंडियाष गोरखपुर के तत्वाधान में संगठन के पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रहे डॉ महेंद्र प्रताप सिंह की प्रथम पुण्यतिथि मनाई गई जिसमें संगठन के सदस्यों ने डॉ सिंह के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस आयोजन में शहर के प्रतिष्ठित होम्योपैथिक चिकित्सको के साथ डॉ सिंह के पत्नी श्रीमती सुमन सिंह और परिवारिक सदस्य भी शामिल हुए, उपस्थित चिकित्सकों में डॉ शफी अहमद, डॉ अश्वनी कुमार राय, डॉ अनिल दुबे, डॉ अवनीश मिश्रा, डॉ मो आजम, डॉ सुधाकर शुक्ला डॉ धर्मेश भारती,डॉ देवनारायण शर्मा सहित अनेक चिकित्सको ने डॉ सिंह के चित्र पर पुष्प अर्पित कर एवं 2 मिनट मौन रख कर श्रद्धांजलि दी। संगठन के प्रदेश महासचिव डॉ डी एस सिंह ने बताया कि आज डॉ. एम.पी. सिंह जी की प्रथम पुण्यतिथि के अवसर पर, हम सभी गहरे सम्मान और कृतज्ञता के साथ उन्हें स्मरण कर रहे हैं। उनके असाधारण योगदान और होम्योपैथी के क्षेत्र में उनकी अपार सेवाओं को शब्दों में व्यक्त करना अत्यंत कठिन है।

डॉ. एम.पी. सिंह जी न केवल

होम्योपैथिक चिकित्सा के उत्कृष्ट चिकित्सक थे, बल्कि उन्होंने इस चिकित्सा प्रणाली के उत्थान और प्रचार–प्रसार के लिए अपना संपूर्ण जीवन समर्पित कर दिया।

भारतीय होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन के उप–राष्ट्रीय अध्यक्ष और राज्य अध्यक्ष के रूप में उनकी भूमिका अत्यंत सराहनीय रही। उन्होंने संगठन को एक नई ऊंचाई तक पहुंचाने में उनकी दूर दृष्टि, अथक परिश्रम और समर्पण ने नवोदित चिकित्सकों को प्रेरणा दी।वे संगठन के एक अत्यंत निष्ठावान और समर्पित सदस्य के रूप में उन्होंने संगठन की प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनका मार्ग दर्शन ।उनकी प्रतिबद्धता, सेवा भावना और निस्वार्थ समर्पण संगठन के लिए प्रेरणास्त्रोत रहेगा। उनकी विनम्रता, सहजता और सेवा भाव, उनके आदर्श, उनका ज्ञान और उनकी प्रेरणादायक शिक्षाएं हमें सदैव मार्गदर्शन देती रहेंगी।

प्रसून गोयल अध्यक्ष, नितेश सचिव निर्वाचित

सेवाददाता–गोरखपुर। दी इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया के सेंट्रल इंडिया रिजनल काउंसिल के गोरखपुर शाखा द्वारा वित्तीय वर्ष 2025–26 के लिए प्रबंधन समिति का चुनाव शुक्रवार को संपन्न हुआ।

इसमें सर्वसम्मति से सीए प्रसून गोयल अध्यक्ष, अनिल कुमार अग्रवाल उपाध्यक्ष, नितेश कुमार शुक्ल सचिव और सीए आकाश दीप श्रीवास्तव को कोषाध्यक्ष चुना गया।

इसी क्रम में पुनीत सिंह को सिकासा अध्यक्ष और सीए अनिता महेशिया विशेष मेंबर चुने गए।

निर्वाचित पदाधिकारियों को पूर्व अध्यक्ष अखिलेश्वर दुबे, शक्ति शरण श्रीवास्तव, मनीष खंडेलवाल, अरुण गुप्ता, अर्चना त्रिपाठी, संजय वर्मा आदि ने बधाई दी।

कार्यालय उपनिदेशक (निर्माण)

राज्य कृषि उत्पादन मण्डी परिषद उ0प्र0

नवीन मण्डी स्थल– बस्ती

पत्रांकः निर्माण/निविदा/बस्ती/2025–460 दिनांकः 21.02.2025

:–ई–निविदा सूचना :–

निम्नलिखित नवीन सम्पर्क मागों के कार्यो हेतु ई निविदायें दिनाक 18.03.2025 को मण्डी परिषद एवं PWD, R.E.D. U.P.R.N.N., तथा UPPCL विभाग में पंजीकृत वित्तीय रूप से सुदृढ़ अनुभवी ठेकेदारो से निविदायें आमंत्रित की जाती है। आमंत्रित ई–निविदाओं की टेक्निकल बिड दिनाक 18.03.2025 को अपरान्ह 12.30 बजे अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में खोली जाऐगी। टेण्डर डाक्यूमेन्ट www.etender.up.nic.in पर दिनाक 18.03 2025 की अपरान्ह 12.00 बजे तक उपलब्ध रहेगा। विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचन, नियम व शर्त एवं अन्य विवरण कार्यालय तथा सरकार की वेबसाइट www.etender. up.nic.in पर देखी पढ़ी व डाउनलोड की जा सकती है। कार्यों का विवरण निम्न प्रकार है–

क्र0 सं0	मण्डी समिति का नाम	कार्य का नाम	कार्य की लागत (लाख रू0 में)	धरोहर धनराशि (लाख रू0 में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य + जी0एस0टी0 (रू0 में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि में वर्षा ऋतु सम्मिलत है	निविदा की वैद्यता	निविदा की श्रेणी	मण्डी परिषद में पंजीकृत ठेकेदारो की श्रेण जो निविदा में प्रतिभाग कर सकते है
1		3	4	5	6	7	8		9
		जनपद सिद्धार्थनगर के अन्तर्गत							
43	शोहरत गढ़	मण्डी समित शोहरतगढ़ के अन्तर्गत मधवापुर में मत्स्य मण्डी हेतु 02 नग 6X16 मी0 छायादार नीलामी चबुतरा कार्यालय भवन का निर्माण सेप्टी टैक एवं शोक पिट सहित 16 नगर "स" श्रेणी की दुकानों, आन्तरिक मार्ग, के0सी0 ड्रेन, आर0सी0सी0 ड्रेन वाहय नाला, 08 नग कासिंग कल्वर्ट, 03 नगर वाटर स्टैड पोस्ट का निर्माण, मिट्टी भराई, इण्टर लाकिंग तथा जलापूर्ति हेतु पाइप लाइन का कार्य आदि। 2025_RKUMP_1009370_1	305.51	17.30	29500.00	15 माह	90	"अ"	अ
44	शोहरत गढ़	मण्डी समित शोहरतगढ़ के अन्तर्गत मधवापुर में मत्स्य मण्डी हेतु चहरदीवारी 01 नग गेट व गेट पिलर, चेक पोस्ट 01 नग छोटा गेट व गेट पिलर का निर्माण कार्य 2025_RKUMP_1009374_1	96.94	6.90	17200.00	09 माह	90	"ब"	अ एवं ब

नोटः–

1– धरोहर धनराशि का मूल्य उपनिदेशक (निर्माण) के स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया की शाखा साऊघाट बस्ती के **खाता संख्या 30394488595** आई0एफ0एस0 कोड संख्या **SBIN0011200** एवं निविदा का मूल्य **खाता संख्या 30394488415** आई0एफ0एस0 कोड संख्या **SBIN0011200** उप निदेशक (निर्माण) के नाम अलग–अलग आर0टी0जी0एस0 करना होगा, जिसका बैंक से सत्यापित यू0टी0आर0 नम्बर हार्ड कापी में उपलब्ध कराना होगा, एवं अपलोड भी करना अनिवार्य होगा।

5– मण्डी परिषद मुख्यालय के पत्रांकःमु0अभि0–2/ (1168/भाग–4/2005)/2022–1190 दिनांकः 17.11.2022 द्वारा जारी आदेश / निर्देश के क्रम में 'द' श्रेणी को छोडकर 'अ', 'ब' एवं 'स' श्रेणी में पंजीकृत निविदाओं की पारदर्शिता एवं अधिक प्रतिस्तर्घात्मक दरें प्राप्त करने के उददेश्य से पंजीकृत ठेकेदारों से Bid Capacity हेतु लोक निर्माण विभाग के standard Bidding Document (S.B.D) में Qualification of Bidders के section 4.6 में व्यवस्था दी गयी है जिसका विस्तृत विवरण मुख्य नियम शर्ते के बिन्दु संख्या 11 में अंकित है। Bid capacity की गणना प्रपत्र व सी0ए0 द्वारा प्रमाणित वॉछित टर्न ओवर एवं बैलेन्स शीट Bidding Document के साथ अपलोड किया जाना अनिवार्य है।

6– उक्त निविदा तालिका में अंकित पंजीकरण श्रेणी के अतिरिक्त उच्च श्रेणी के मण्डी परिषद में पंजीकृत ठेकेदार/फर्म भी प्रतिभाग कर सकती है।

7– उपरोक्त तालिका में अंकित अ एवं ब श्रेणी से सम्बन्धित कार्यों हेतु PWD, R.E.D, U.P.R.N.N तथा UPPCL विभाग में सामान्य श्रेणी अर्थात 'अ' एवं 'ब' श्रेणी के पंजीकृत फर्म/ठेकेदार ही निविदा प्रकिया में प्रतिभाग कर सकते है।

उप निदेशक (निर्माण)

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा नाम विनायक शुक्ल पुत्र राम प्रकाश शुक्ल ग्राम जगदीशपुर पोस्ट वाल्टरगंज जिला–बस्ती को निवासी है जिसके आधार कार्ड में त्रृटिवश Vikayak केयर ऑफ कान्ती देवी लिख उठा है। जिसे विनायक शुक्ल /Vinayak Shukla पुत्र Ram Prakash Shukla के नाम से जाना व पहचाना जाय।

अदालती नोटिस

(हेतु सन्दर्शित करने की सूचना साधारण प्रारूप)

(आर्डर 5 कायदा 3)

न्यायालय–श्रीमान अपर जिला जज/एफ0टी0सी0 द्वितीय बस्ती जिला–बस्ती

सि0 प्रकीणवाद सं0 151/2022

सिविल अपील सं0–61/2028

राकेश आदि

बनाम

शिव कुमार गुप्ता आदि

1. शिव कुमार गुप्ता उम्र 66 वर्ष पुत्र गनेश निवासी माली टोला गांधी नगर तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला–बस्ती

–विपक्षी प्रथम वर्ग

2. बेवी 3. चन्द्रमा 4. मन्जू 5. मधू 6. सुशीला 7. नीलम तथाकथित पुत्रीगण ओरीलाल निवासीगण काशीराम आवास डारीडीहा तप्पा कपरी महसो परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला–बस्ती

–विपक्षीगण द्वितीय वर्ग

2/2 गुड़िया उम्र 35 वर्ष पुत्री मंगल पत्नी जगदीश निवासिनी खड़उवा परगना नवाबगंज नगर पूरव पोस्ट खड़उवा तहसील व जिला गोण्डा 2/3 पूनम उम्र 26 साल पुत्री मंगल पत्नी जुगानी निवासी बेलवाकला तप्पा कड़र परगना मगहर पश्चिम तहसील मेंहदावल जिला–संतकबीर नगर

–विपक्षीगण तृतीय वर्ग

तारीख पेशी 05–03–2025

चूंकि उपरीनामांकित ने इस न्यायालय में आवेदन किया है कि अतएवं आपके एतद द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप इसे आदेश के खिलाफ हेतु सन्दर्भित करने के लिये 2025 के माह 03 के 05 दिवस को 10.00 बजे पूर्वान्ह में स्वयं या सम्पर्क रूपेण अनुर्दिष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपस्थित हो और ऐसा न करने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय रूप से सुना जायेगा।

मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित आज सन 20 के माह के दिवस को निकाली गयी।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

न्यायालय सिविल जज (सी0डि0) सिद्धार्थनगर स्थान द्वारा निकाली गयी उद्घोषणा

प्रकीर्ण उत्तराधिकार वाद संख्या–04/2025

1. आशीष गुप्ता 2. अखिलेश कुमार पुत्रगण अवधेश कुमार 3. चादनी गुप्ता 4.सुमन गुप्ता 5. सीमा गुप्ता पुत्रीगण अवधेश कुमार साकिनान इटवा तप्पा कोट परगना बांसी पश्चिम तहसील इटवा जिला–सिद्धार्थनगर

प्रार्थी/प्रार्थीगण

बनाम

इस्टेट

प्रा0 पत्र अन्तर्गत दफा 372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम

तारीख पेशी 07–03–2025

अपने मृतक को देय ऋण और प्रतिभूतियों को वसूल करने के लिये प्रमाण पत्र की अभिप्राप्ति के लिये सन 1886 ई0 के अधिनियम 7 के अधीन उत्तराधिकार का आवेदन के लिये।

चूंकि ने प्रमाण पत्र को अभिप्राप्ति के लिये आवेदन दिया है और सन 2025 के 03 के 07 दिवस आवेदन को सुनवाई के लिये नियत हुआ है। अतः यह उदघोषणा निकाली जाती है कि जिस किसी को उक्त आवेदन के सम्बन्ध में आपत्ति हो वह स्वयं या अभिवक्ता द्वारा ..10 बजे पूर्वान्ह न्यायालय सिविल जज (सी0डि0) सिद्धार्थनगर में नियत दिनांक पर उप संजात होकर अपनी आपत्ति पेश करें। उक्त दिनांक के अवसान पर फिर किसी की आपत्ति न सुनी जायेगी और आवेदन के सम्बन्ध में यथोचित आदेश पारित होगा।

20 के के दिवस को दिनांकित।

द0 हाकिम

कार्यालय मुख्य चिकित्सा अधिकारी, सिद्धार्थनगर

जिला तम्बाकू नियंत्रण प्रकोष्ठ सिद्धार्थनगर

तम्बाकू जानलेवा है

तम्बाकू मुक्त सिद्धार्थनगर

आपको यह जानना आवश्यक है :–

- विश्व भर में रोकी जा सकने वाली मौतें और बीमारियों का एक मात्र सबसे बड़ा कारण तम्बाकू सेवन है।
- विश्व में लगभग 60 लाख लोग हर साल तम्बाकू के सेवन से अपनी जान गवाते है। –
- 6.5 सेकेंड में एक धुम्रपान करने वाले व्यक्ति की मौत होती है।
- लगभग हर साल 9 लाख भारतीय तम्बाकू सेवन से मरते है जो कि क्षय रोग, एड्स और मलेरिया से होने वाली मौतों से अधिक है।
- प्रतिदिन 2,200 से अधिक भारतीय तम्बाकू सेवन के कारण मरते है।
- भारत में कैंसर से मरने वाले 100 रोगियों में 40 तम्बाकू के प्रयोग के कारण मरते है।
- लगभग 95 प्रतिशत मुंह के कैंसर तम्बाकू सेवन करने वाले व्यक्तियों में होते है।
- 2030 में धूम्रपान से मरने वालों की संख्या 83 लाख होगी।
- धूम्रपान के अलावा तम्बाकू सेवन के कई प्रकार है जैसे (जर्दा, खैनी, हुक्का, गुटका, तम्बाकू युक्त मसाला, मावा मिसरी एवं गुल) आदि। यह भी बीड़ी सिगरेट की तरह ही हानिकारक है।
- किशोरावस्था (13 से 15 वर्ष) से ही तम्बाकू, सेवन करने से नपुंसकता पैदा होती है।
- तम्बाकू के सेवन से मानसिक स्वास्थ्य पर कुप्रभाव पड़ता है और तम्बाकू सेवन करने वाला व्यक्ति मानसिक रोगों से पीड़ित हो जाता है।
- तम्बाकू के सेवन से न केवल कैंसर होता है बल्कि हृदयरोग, मधुमेह, टीवी (क्षयरोग), अभिघात (लकवा), दृष्टिविहीनता फेफड़े के रोग एवं श्वास संम्बधी रोग होता है।

तम्बाकू नियंत्रण अधिनियम 2003 का पालन करें या जुर्माने अथवा दण्ड जिसमें अर्थदण्ड अथवा कारावास का सामना करें।

- धारा-4 के अन्तर्गत सार्वजनिक स्थान (जैसे सभागृह, अस्पताल, भवन, रेलवे स्टेशन प्रतीक्षालय, मनोरंजन केन्द्र, रेस्टोरेन्ट, शासकीय कार्यालयों, न्यायालय परिसर, शिक्षण संस्थानो, पुस्तकालय, लोक परिवहन) एवं अन्य कार्यस्थलों में धूम्रपान करना अपराध है।
- धारा-5 के अन्तर्गत तम्बाकू उत्पादों के प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष विज्ञापन पर पूर्ण प्रतिबन्ध है।
- धारा-6 (अ) के अन्तर्गत 18 वर्ष से कम आयु के व्यक्ति को / के द्वारा तम्बाकू बेचना प्रतिबन्धित है।
- धारा-6 (ब) के अर्न्तगत शैक्षणिक संस्थानों के 100 गज की परिधि में तम्बाकू बेचना प्रतिबंधित है।
- धारा-7 के अन्तर्गत तम्बाकू तम्बाकू उत्पादों पर चित्रमय स्वास्स्थ्य चेतावनी प्रदर्शित होनी चाहिए।
- धारा-21 प 24 यो अन्तर्गत धारा 4, 6 का उल्लंघन करने पर 200 रू. तक जुर्माना हो सकता है।

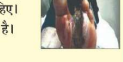

आज से ही प्रतिज्ञा करें एवं शपथ लें :–

1. हम धूम्रपान एवं तम्बाकू उत्पाद का सेवन नहीं करेंगे।
2. हम अपने बच्चों एवं समाज को तम्बाकू से दूर रखेंगे एवं समाज को होने वाले क्षति से बचायेंगे।
3. हम तम्बाकू कम्पनियों से किसी भी प्रकार का सहयोग नही लेगें ना ही उन्हें सहयोग करेंगे।

तम्बाकू का शौक-किश्तो में मौत, आइए जीवन चुनें, तम्बाकू नही।

नोडल अधिकारी
एन.सी.डी. सिद्धार्थनगर

मुख्य चिकित्सा अधिकारी
सिद्धार्थनगर

जिलाधिकारी
सिद्धार्थनगर

पत्रांकः मु.चि.अ./विज्ञापन/2024-25/5258 दिनांक 04.11.2024

दैनिक भारतीय बस्ती

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**

संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**

अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय– चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद

लखनऊ कार्यालय– आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।

गोरखपुर कार्यालय– इलाहीबाग गोरखपुर।

मो09450567450 9336715406,

ई.मेल**bhartiyabasti@yahoo.com**

bhartiyabasti@gmail.com